

## 3.67 एकड़ भूमि में लगी 43 विंटल अफीम जप्त, कीमत 4.75 करोड़ रुपये, 07 जेल दाखिल

प्रशासन मामले को लेकर गंभीर, फाइनेंसियल गतिविधियों की भी चल रही जांच

**पुलिस-प्रशासन, वन विभाग की संयुक्त टीमों सरहदी क्षेत्रों तक चला रही सघन चेकिंग अभियान**



### इन्हें किया गया गिरफ्तार

थाना कुसमी पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 00/2026, धारा 8,18 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत रूपदेव राम भगत पिता ठाकुर राम 50 वर्ष, निवासी ग्राम त्रिपुरी सरनाटोली कुसमी, कौशिल भगत पिता रूंगहू (रूंगू) राम 30 वर्ष, निवासी ग्राम त्रिपुरी माचाडीपा कुसमी, मनोज कुमार पिता सीता यादव 24 वर्ष, निवासी ग्राम सोमया थाना बाराचट्टी जिला गया बिहार, जिरमल मुण्डा पिता बुधन राम मुण्डा 56 वर्ष, निवासी ग्राम भगचन्द्र थाना आस्ता जिला जशपुर, उपेन्द्र कुमार पिता रामचन्द्र यादव 27 वर्ष, निवासी ग्राम सोमया थाना बाराचट्टी जिला गया बिहार, विन्देश्वर पिता कमर गंजहू 45 वर्ष निवासी कोलवा थाना जोरी जिला चतरा झारखंड व कृष्णा सिंह पिता महादेव सिंह निवासी कुराग, थाना आस्ता जिला जशपुर को गिरफ्तार किया है।

कौशिल भगत, मनोज कुमार, जिरमल मुण्डा, उपेन्द्र कुमार, विन्देश्वर, कृष्णा सिंह इसकी रखवाली कर रहे थे। परीक्षण पर अवैध मादक पदार्थ अफीम का होना पाए जाने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत विवेचना, कार्रवाई शुरू की गई। संदेहियों के कब्जे में लगे अवैध मादक पदार्थ अफीम की खेती का अवैध मादक पदार्थ के रूप में पहचान, पंचनामा तैयार कर अफीम को जड़, तना, पत्ती, फूल, फल सहित उखाड़ कर एवं खेत में पड़े दो डिब्बे में आधा-आधा भरा हुआ अफीम का लासा व चार बड़ा बोरी व एक छोटी बोरी में सूखे फल की विधिवत बरामदगी पश्चात बरामद अवैध मादक पदार्थ का तौल कराया गया, जो कुल 4344.569 किलोग्राम था। इसकी कीमत करीब 4 करोड़ 75 लाख रुपये है। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा 8,18 एन.डी.पी.एस. एक्ट का होना पाए जाने पर सातों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में एंड-टू-एंड विवेचना कार्रवाई जारी है। मामले में फाइनेंसियल गतिविधियों की भी जांच की जा

### जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए की जाएगी कड़ी कार्रवाई-कलेक्टर

कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने जानकारी दी है कि जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत त्रिपुरी गांव में 10 मार्च 2026 को मुखबिर से अफीम की खेती की सूचना प्राप्त हुई, जिस पर प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर अवैध अफीम की खेती को कब्जे में लेकर भूमि का सीमांकन किया गया। जांच के दौरान पाया गया कि 1.488 हेक्टेयर (3.67 एकड़) में खेती की जा रही थी, जिसके रिकार्ड का अवलोकन किया गया। डीसीएस सर्वे में उक्त भूमि पड़ती के रूप में दर्ज है। सामान्यतः उक्त भूमि पर खेती नहीं होने के कारण रबी फसल की गिरदावरी नहीं की गई है। प्रशासन, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम के द्वारा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की उपस्थिति में एनडीपीएस के प्रावधानों के तहत परीक्षण कर जब्त की कार्रवाई की गई है। इसकी कुल मात्रा 43 विंटल और अनुमानित मूल्य लगभग 4 करोड़ 75 लाख रुपये है। कलेक्टर ने बताया कि जिले में राजस्व, पुलिस प्रशासन एवं वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले की सीमावर्ती क्षेत्रों सहित जिले की समस्त भूमि का चिन्हांकन कर विधिवत सघन जांच, परीक्षण किया जा रहा है। किसी भूमि पर अफीम की खेती पाये जाने पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आमजनों से अपील की है कि जिले के किसी भी क्षेत्र में अफीम या मादक पदार्थों के खेती की जानकारी मिलती है तो तत्काल जिला एवं पुलिस प्रशासन को सूचना दें, जिस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूचना देने वाले की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।

कोई भी गतिविधियां आपराधिक कृत्य करना पाए जाने पर संबंधित आरोपियों के विरुद्ध विधि अनुसार कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बलरामपुर पुलिस द्वारा इस संबंध में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

## शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाना रेप नहीं-हाईकोर्ट

छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल बाद राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। हाईकोर्ट के जस्टिस एनके व्यास ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और रेप के मामले में अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि अगर लड़की बालिग है और उसकी सहमति से शारीरिक संबंध बने हैं, तो उसे रेप नहीं माना जा सकता। हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट की ओर से आरोपी युवक को दोषी ठहराने के आदेश को अवैध मानते हुए उसे निरस्त कर दिया और आरोपी को बरी कर दिया। इस फैसले के साथ ही रेप के आरोपी युवक को करीब 20 साल बाद राहत मिली है। मामला सरगुजा जिले के धौरपुर थाना क्षेत्र का है।



**युवती की शिकायत पर दर्ज हुआ केस**  
युवक के गायब होने के बाद युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी लीना ध्रुव के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

**ट्रायल कोर्ट ने सुनाई थी सजा**  
पुलिस ने जांच के बाद ट्रायल कोर्ट में चालान पेश किया। ट्रायल में सभी पक्षों को सुनने के बाद अंबिकापुर के न्यायिक मजिस्ट्रेट ने आरोप पत्र प्रस्तुत किया। सुनवाई के बाद अंबिकापुर के जिला-सत्र न्यायालय ने आरोपी को दुष्कर्म का दोषी मानते हुए सात साल की सजा और 5000 रुपए अर्थदंड लगाया।

**हाईकोर्ट में दी गई चुनौती**  
सत्र न्यायालय के फैसले के खिलाफ आरोपी ने हाईकोर्ट में रिवीजन अपील दायर की, जिसमें बताया गया कि ट्रायल कोर्ट ने कानून से परे जाकर फैसला दिया है और यह न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि लोअर कोर्ट का दोषसिद्धि आदेश कानून के अनुरूप नहीं है, इसलिए उसे निरस्त किया जाता है।

**हाईकोर्ट ने फैसले में क्या कहा ?**  
हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा कि केवल शादी का बहाना बनाकर शारीरिक संबंध बनाना हर मामले में दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने कहा कि घटना के समय पीड़िता की उम्र 26 वर्ष थी और उसे कथित शारीरिक संबंधों के परिणामों की पूरी जानकारी थी। ऐसे में यह संबंध पीड़िता की सहमति से बनाए गए माने जाएंगे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि कानून की स्थापित स्थिति के अनुसार, शादी का झांसा देकर बनाए गए संबंध हर परिस्थिति में दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आते। खासकर तब, जब अभियोजन यह साबित करने में असफल रहता है कि आरोपी ने शुरू से ही केवल अपनी शारीरिक इच्छा पूरी करने के उद्देश्य से संबंध बनाए थे और उसका शादी करने का कोई इरादा नहीं था।

**20 साल बाद मिला न्याय**  
मामले में एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को 27 अगस्त 2004 को गिरफ्तार किया था। 23 अगस्त 2005 को सत्र न्यायालय ने सजा सुनाई थी। इसके बाद 23 जनवरी 2006 को आरोपी को जमानत मिल गई। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद अब करीब 20 साल बाद हाईकोर्ट ने उसे दोषमुक्त कर दिया है।

वह दोबारा युवक के घर गई और कहीं चला गया और वापस नहीं वहीं रुकी। उसने शादी का लौटा। युवती करीब 2 महीने तक प्रस्ताव रखा, लेकिन 11 जून उसके घर पर रही, लेकिन युवक 2003 को युवक उसे छोड़कर नहीं आया।

## स्कूटी सवार युवक-युवती को ठोकर मारने वाले पिकअप चालक के विरुद्ध केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। स्कूटी सवार युवक-युवती पिकअप को ठोकर से घायल हो गए, इनका मेडिकल कॉलेज और होलीक्रॉस अस्पताल अंबिकापुर में इलाज चल रहा है। घायल युवक के पिता की रिपोर्ट पर गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले में पिकअप चालक के विरुद्ध केस दर्ज कर लिया है। बलरामपुर जिला के कुसमी थाना अंतर्गत ग्राम कंचनटोली निवासी राकेश तिकी ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उसका लड़का राकेश तिकी 20 वर्ष बने 3 मार्च को ग्राम कंचनटोली से गांधीपुर अंबिकापुर रिश्तेदार के घर में घूमने के लिए आया था। 4 मार्च की शाम को करीब 8 बजे राकेश अपने महिला मित्र के साथ किसी दोस्त के स्कूटी वाहन क्रमांक सीजी 15 डीजे

0259 से एमजी रोड में किसी काम से गया था। रात करीब 8.15 से 8.30 बजे के बीच माखन विहार के पास सामने की ओर से आ रही एक पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 29 एएफ 4486 का चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते स्कूटी वाहन को ठोकर मार दिया, और कुछ दूर तक इन्हें घसीटते ले गया था। हादसे में राकेश तिकी के बाएं पैर व शरीर में और लड़की के पैर व नाक में चोट आई है। आसपास के लोग इन्हें जिला अस्पताल अंबिकापुर ले गए। घटना की सूचना पाकर स्वजन जिला अस्पताल पहुंचे। राकेश तिकी का जिला अस्पताल में वहीं लड़की का होली क्रॉस अस्पताल में उपचार चल रहा है।

## प्रशासन कह रहा रसोई गैस की किल्लत नहीं, इधर सर्वर डाउन रहने से बुकिंग ठप

उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में महीने भर, अधिक भी करना पड़ सकता है इंतजार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले में प्रशासनिक दावे के बीच रसोई गैस को लेकर उपभोक्ताओं के माथे पर परेशानी की लकीरें नजर आने लगी हैं। गैस बुकिंग को पूर्णतः ठप रहने के कारण नहीं कटने की जानकारी संबंधित गैस एजेंसियों के जिम्मेदार दे रहे हैं। खाली सिलिंडर ढोकर लाने और वापस ले जाने का परिदृश्य देखने को मिल रहा है। समय पर गैस सिलिंडर नहीं मिलने से उपभोक्ताओं का समय बर्बाद हो रहा है। पहले जिस एजेंसी में रोजाना 300-400 सिलिंडर की बुकिंग होती थी, वह 3-4 दिनों से महज 10-15 बुकिंग में सिमट कर रह गया है। गैस एजेंसियों के प्रबंधन का कहना है कि फिलहाल घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति जारी है, वितरण अर्थात् 15 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। सर्वर को जिस प्रकार समस्या सामने आ रही है, इससे उपभोक्ताओं को पहले की तुलना में महीने भर, अधिक भी इंतजार करना पड़ सकता है। बता दें कि सर्वर समस्या के



**जिले में 3 कंपनियां, 1.58 लाख से अधिक उपभोक्ता**  
सरगुजा जिले में तीन प्रमुख कंपनियों के माध्यम से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को रसोई गैस की आपूर्ति की जा रही है। आंकड़ों के मुताबिक जिले में एक लाख 58 हजार 585 से अधिक घरेलू गैस उपभोक्ता पंजीकृत हैं, जिनमें प्रधानमंत्री उज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थी और सामान्य उपभोक्ता दोनों शामिल हैं। एचपीसीएल गैस एजेंसी से करीब 1 लाख 377 उपभोक्ता जुड़े हैं। इनमें 48 हजार 525 पीएमयूवाई और 51 हजार 852 सामान्य उपभोक्ता हैं। इंडेन गैस एजेंसी के पास लगभग 73 हजार 106 उपभोक्ता पंजीकृत हैं, इनमें 54 हजार 421 पीएमयूवाई और 18 हजार 685 सामान्य उपभोक्ता हैं। भारत गैस एजेंसी के साथ भी जिले में 39 हजार से अधिक उपभोक्ता जुड़े हैं।

**अवैध भंडारित 124 घरेलू गैस सिलिंडर जब्त**  
कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर जिले में घरेलू गैस सिलिंडरों के अवैध भण्डारण एवं वितरण पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में खाद्य विभाग द्वारा अवैध रूप से भण्डारित घरेलू गैस सिलिंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, और कुल 124 नग गैस सिलिंडर जप्त किए गए हैं। खाद्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार उदयपुर क्षेत्र में की गई जांच के दौरान तुलसी छतोसगढ़ गैस एजेंसी उदयपुर से 115 नग, गोरख गैस चूल्हा रिपेयरिंग नमनाकला से 03 नग तथा प्रदीप गैस चूल्हा रिपेयरिंग शां पदरीपारा से 06 नग घरेलू गैस सिलिंडर जब्त किए गए। उक्त प्रकरण में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

**कलेक्टर ने अफवाहों पर ध्यान नहीं देने कहा**  
कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिले के सभी उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि जिले में घरेलू गैस सिलिंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है, सभी गैस एजेंसियों में पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद है। गैस सिलिंडरों की आपूर्ति एवं वितरण पर नियमित रूप से निगरानी रखी जा रही है। साथ ही राज्य स्तर पर भी घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति, उपलब्धता एवं दैनिक आवश्यकता की सतत निगरानी रखने तथा अवैध भण्डारण पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पर दबाव बढ़ गया है और बार-बार डाउन हो रहा है। इधर प्रशासन ने व्यवसायिक गैस सिलिंडर के वितरण पर फिलहाल पूरी तरह रोक लगा दी है। केवल अस्पतालों को ही रसोई गैस उपलब्ध कराने की अनुमति दी गई है। इसके चलते शहर के होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालक व कैटरर्स भी परेशान में हैं। इस बीच रसोई गैस की कालाबाजारी जैसी शिकायतें खुलकर सामने आ रही हैं। कुछ विचोलाियों के द्वारा घरेलू गैस सिलिंडर को काफी अधिक दाम में बेचने की सुझाव देते हुए भी

**मद्रासी दवाखाना**  
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED  
बायी एवं रूनी बवासीर, नासूर, भ्रूणदर, फिसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुद रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।  
समय - सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 8 से 7:30  
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा।  
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अंबिकापुर मो. 90099-56307

**डॉ. के.एम. राव**  
एम.एस.(आयु) शल्य  
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग  
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद  
कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिले के सभी उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने बताया कि जिले में घरेलू गैस सिलिंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है, सभी गैस एजेंसियों में पर्याप्त मात्रा में स्टॉक मौजूद है। गैस सिलिंडरों की आपूर्ति एवं वितरण पर नियमित रूप से निगरानी रखी जा रही है। साथ ही राज्य स्तर पर भी घरेलू गैस सिलिंडरों की आपूर्ति, उपलब्धता एवं दैनिक आवश्यकता की सतत निगरानी रखने तथा अवैध भण्डारण पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। पर दबाव बढ़ गया है और बार-बार डाउन हो रहा है। इधर प्रशासन ने व्यवसायिक गैस सिलिंडर के वितरण पर फिलहाल पूरी तरह रोक लगा दी है। केवल अस्पतालों को ही रसोई गैस उपलब्ध कराने की अनुमति दी गई है। इसके चलते शहर के होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालक व कैटरर्स भी परेशान में हैं। इस बीच रसोई गैस की कालाबाजारी जैसी शिकायतें खुलकर सामने आ रही हैं। कुछ विचोलाियों के द्वारा घरेलू गैस सिलिंडर को काफी अधिक दाम में बेचने की सुझाव देते हुए भी

**TOOTH FAIRY'S DENTAL & SKIN CARE**  
इसका प्रस्ताव -  
1. थोड़े थोड़े टाइम पर से लीपे थिंक करो है।  
2. इमेजिंग से थिंक करो टाइम लगेगी जल्दी है।  
3. उनका सभी दवा और उपकरण का इलाज सेंटर तकनीक के बिना प्रदान है।  
4. तथा बड़े बच्चे का इलाज होता है।  
Skin Treatment, Dental Treatment, Dr. Pragna Agarwal

# सरस्वती साइकिल योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ से सशक्त हो रहीं बेटियां

## बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में शासन की योजनाएं बन रहीं सहारा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित विभिन्न योजनाओं का सकारात्मक परिणाम जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। शासन की दूरदर्शी नीतियों, जनजागरूकता अभियानों तथा सतत मॉनिटरिंग के कारण बालिका शिक्षा का प्रतिशत निरंतर बढ़ रहा है। पूर्व में ग्रामीण अंचलों में कमी बेटियों की पढ़ाई प्राथमिक कक्षाओं तक सीमित रह जाती थी लेकिन आज बेटियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन कर रही हैं।

बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने के लिए केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सरस्वती साइकिल योजना जैसे योजनाओं के माध्यम से बालिकाओं को आर्थिक सहायता और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं साथ ही सुरक्षित एवं अनुकूल शैक्षणिक वातावरण भी प्रदान किया जा रहा है।

सरस्वती साइकिल योजना से पढ़ाई में दूरी नहीं बनी बाधा ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यालय की दूरी बालिकाओं की शिक्षा में एक बड़ी चुनौती रही है। इसे ध्यान में रखते हुए संचालित सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत हाई स्कूल में प्रवेश लेने वाली छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। इससे छात्राओं की नियमित उपस्थिति बढ़ी है तथा ड्राइंग/आउट दर में कमी आई है।

शासकीय हाई स्कूल कोठली की छात्रा कुमारी पूनम गुप्ता ने बताया कि साइकिल मिलने से



अब पैदल नहीं चलना पड़ता। वह समय पर विद्यालय पहुंचती है और पढ़ाई के लिए अधिक समय दे पाती है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ

अभियान ने समाज में सकारात्मक सोच विकसित की है। अभिभावक अब बेटियों को

भेदभाव और स्कूल छोड़ने जैसी समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा रहा है। स्कूलों में एवं पोषण कार्यक्रमों से बालिकाओं का स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है। डिजिटल शिक्षा से नई दिशा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों में स्मार्ट क्लास एवं ऑनलाइन सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इससे बालिकाएं तकनीकी रूप से सक्षम बन रही हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार हो रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा समय-समय पर विद्यालयों का निरीक्षण, शिक्षकों की बैठक तथा पालक-शिक्षक बैठक की सक्रियता सुनिश्चित की जा रही है। संबंधित अधिकारियों द्वारा लगातार समीक्षा भी किया जा रहा है, जिससे योजनाओं का लाभ पात्र बालिकाओं तक समयबद्ध रूप से पहुंच रहा है। उल्लेखनीय है कि शासन के सतत प्रयासों से आज बेटियां आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों की उड़ान भर रही हैं।

भेदभाव और स्कूल छोड़ने जैसी समस्याओं पर नियंत्रण पाया जा रहा है। स्कूलों में

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बालिकाओं को छात्रवृत्ति एवं नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें भी प्रदान की जा रही हैं। साथ ही मध्याह्न भोजन

## शुद्ध पेयजल उपलब्धता के लिए 15 मार्च से विशेष अभियान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्मकाल के दौरान शुद्ध पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 मार्च से 15 अप्रैल 2026 तक विशेष हैंडपंप संधारण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत जिले में स्थापित पेयजल स्रोतों की मरम्मत, संधारण और जल की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ने संबंधितों

को अभियान के दौरान सभी उपखंडों के हंडंप गृहों में हैंडपंप संधारण के लिए आवश्यक सामग्री जैसे राइजर पाइप, स्पेयर पार्ट्स तथा पेयजल की शुद्धता के लिए सोडियम हाइपोक्लोराइट पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित की जाएगी। पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए हैंडपंपों के पानी की जांच एफटीके (फोल्ड टेस्ट किट) और प्रयोगशाला के

स्रोतों को सोडियम हाइपोक्लोराइट से क्लोरीनेशन किया जाएगा तथा संचालित एकल ग्राम और समूह जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल में अंतिम छोर तक क्लोरीन की पर्याप्त मात्रा सुनिश्चित की जाएगी। पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए हैंडपंपों के पानी की जांच एफटीके (फोल्ड टेस्ट किट) और प्रयोगशाला के



## जीएम की औचक दबिश में दो कोयला चोर पकड़े गए, चार बाइक जब्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर। एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र की खदानों में हो रही कोयला चोरी पर कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉ. संजय सिंह ने गुरुवार सुबह त्रिपुरा बटालियन के जवानों के साथ औचक निरीक्षण किया। इस दौरान आमगांव खदान में छापेमारी कर कोयला चोरी कर रहे एक युवक को पकड़ लिया गया, जबकि अन्य आरोपी कोयले से भरी बोरियां और दोपहिया वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। सुरक्षा टीम ने चार बाइक जब्त कर पकड़े गए युवक को रामानुजगंज पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पकड़े गए युवक की पहचान मनवारपारा सालही निवासी दुर्गेश के रूप में हुई है।

इसके बाद क्षेत्रीय महाप्रबंधक गायत्री खदान पहुंचे, जहां जवानों को देखकर कई कोयला चोर भाग निकले, जबकि एक खदानों से लंबे समय से संगठित तरीके से कोयला चोरी की जा रही है। अनुमान है कि अलग-अलग खदानों से

खदानों से लंबे समय से संगठित तरीके से कोयला चोरी की जा रही है। अनुमान है कि अलग-अलग खदानों से



अन्य आरोपी को पकड़कर कोतवाली पुलिस को सौंपा गया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र की आमगांव, अमरा और गायत्री

प्रतिदिन करीब डेढ़ से दो सौ टन कोयला चोरी हो रहा है, जिससे कंपनी के साथ ही राज्य सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है।

## खदान के भीतर पानी छिड़काव कर रहे टैंकर ने खड़ी ट्रैलर को मारा टक्कर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर। एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र के आमगांव खदान में गुरुवार शाम करीब 4 बजे

अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि खदान में वर्तमान में केवल एक ही वैब्रिज कोयला तौल का कार्य चल रहा है। इसके कारण कोयला लोडिंग के लिए पहुंचे ट्रकों को दो-दो से तीन-तीन दिन तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे वाहन चालकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सूत्रों के अनुसार समय पर कोयला उठाव नहीं होने से कई पार्टियों के डीओ भी लैप्स होने की स्थिति में हैं। वहीं खदान प्रबंधन मैनपावर सहित अन्य कारणों का हवाला दे रहा है। हालांकि खदान प्रबंधन का कहना है कि प्रतिदिन 100 से अधिक गाड़ियां कोयला लोड कर खदान से निकल रही हैं और को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैलर का



पानी छिड़काव कर रहे एक टैंकर ने खदान के भीतर खड़ी ट्रैलर वाहन (सीजी 15 एसी 1060) को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैलर का

कहना है कि प्रतिदिन 100 से अधिक गाड़ियां कोयला लोड कर खदान से निकल रही हैं और को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रैलर का

## पीवीटीजी इनटाइटलमेंट कार्ड सर्वेक्षण के लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय समिति गठित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास विभाग से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में निवासरत विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह पहाड़ी कोरवा के पीवीटीजी इनटाइटलमेंट कार्ड सर्वेक्षण के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा द्वारा जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गठित समिति में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे। जिला पंचायत सीईओ, वन मंडलाधिकारी, सदस्य होंगे। इसी प्रकार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, उप संचालक कृषि विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला खाद्य अधिकारी, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग, कार्यपालन अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, उप संचालक समाज कल्याण विभाग, कार्यपालन अभियंता

क्रेडा, सहायक संचालक कौशल विकास, लीड बैंक मैनेजर बलरामपुर, कनिष्ठ टेलिकॉम अधिकारी भारतीय दूरसंचार निगम लिमिटेड बलरामपुर तथा जिला प्रबंधक जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी को सदस्य नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है।

उक्त समिति जिले में निवासरत विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह पहाड़ी कोरवा परिवारों के लिए पीवीटीजी इनटाइटलमेंट कार्ड सर्वेक्षण की मॉनिटरिंग, समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी, ताकि पात्र परिवारों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराया जा सके।

विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन पीवीटीजी इनटाइटलमेंट कार्ड सर्वेक्षण के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा जिले के

विकासखण्ड बलरामपुर, राजपुर, शंकरगढ़ एवं कुसमी में विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन किया गया है।

गठित समितियों में संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अध्यक्ष होंगे। संबंधित सभी विकासखण्ड के वन परिक्षेत्र अधिकारी, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी, सहायक अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सहायक अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी तथा सहायक अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना समिति के सदस्य होंगे।

उक्त समितियां अपने-अपने विकासखण्डों में विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह पहाड़ी कोरवा परिवारों की पहचान कर पीवीटीजी इनटाइटलमेंट कार्ड सर्वेक्षण का कार्य समन्वित रूप से संपादित करेंगी।

## मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से संपन्न हुआ कलावती का विवाह, योजना से सपने पूरे कर खुशहाल जीवन कर रही व्यतीत

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए संबल बनी हैं, जिसके माध्यम से निम्नवर्गीय परिवारों की बेटियों का विवाह संपन्न कराया जा रहा है। ऐसे ही जिले की कई बेटियां योजना से लाभान्वित हुई हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की लाभार्थी विकासखंड कुसमी के ग्राम पंचायत लरिमा की निवासी श्रीमती कलावती के जीवन में खुशियों ने दस्तक दी है। श्रीमती कलावती बताती हैं कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उनके पिता के लिए विवाह का खर्च उठाना काफी मुश्किल था। ऐसे में उन्हें चिंता रहती थी कि उनकी शादी कैसे होगी। तब शासन की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना कलावती के जीवन में आशा की नई किरण बनकर

आई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से उन्हें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के बारे में

शासन-प्रशासन के प्रयासों से उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और मुख्यमंत्री कन्या विवाह

खाते में चेक के माध्यम से 35 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई।



श्रीमती कलावती बताती हैं कि योजना की सहायता से उनके पिता को विवाह के लिए किसी से भी कर्ज लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी। शासन की इस पहल से उनका निर्विघ्न विवाह संपन्न हुआ और पूरा परिवार खुश है। वे कहती हैं कि उन्हें अच्छे जीवनसाथी मिला है और वे अपने वैवाहिक जीवन में सुखपूर्वक गृहस्थ जीवन व्यतीत कर रही हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से मिली सहायता के लिए शासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कलावती कहती हैं योजना से जरूरतमंद परिवारों को सहायता मिली है। इस योजना से बेटियों के शादी के सपने पूरे हो रहे हैं।

योजना के अंतर्गत उनका विवाह विधिवत संपन्न कराया गया। योजनांतर्गत कलावती के

## खदान से कोयला, कबाड़ और केबल के बाद अब राखड़ चोरी का मामला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन विश्रामपुर। एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र की बंद पड़ी ओपन कास्ट माइंस ओसीएम खदान अब एक नए तरह की चोरी को लेकर चर्चा में आ गई है। पहले जहां खदानों से कोयला, कबाड़, केबल और डीजल चोरी होने की घटनाएं सामने आती थीं, वहीं अब खदान से फ्लाई ऐश राखड़ की चोरी का मामला सामने आने से क्षेत्र में हलचल मच गई है। बताया जा रहा है कि पिछले डेढ़ से दो माह से संगठित तरीके से रात के अंधेरे में भारी मशीनों की मदद से राखड़ निकालकर बेचा जा रहा है। गौरतलब है कि एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र की बंद पड़ी ओसीएम खदान में कोयला उत्पादन बंद होने के बाद खदान को भरने के लिए विभिन्न पावर प्लांटों से निकलने वाले फ्लाई ऐश की भराई का काम किया जा रहा था। यह कार्य लगभग एक वर्ष तक लगातार चला। हाल ही में क्रारी

नंबर-1 में करीब 13 लाख क्यूबिक मीटर फ्लाई ऐश की भराई पूरी होने के बाद यह काम बंद कर दिया गया था। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक खदान में डंप

ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में लगे ठेकेदारों को बेच दिया जा रहा है। इस अवैध कारोबार में शामिल लोग सुनियोजित तरीके से खदान क्षेत्र में प्रवेश कर

प्लांटों से अनुबंध के तहत फ्लाई ऐश लाकर खदान में भराई की गई थी। भराई का मुख्य उद्देश्य खदान के गड्ढों को भरकर जमीन को समतल बनाना था, ताकि भविष्य में वहां मिट्टी भरकर वृक्षारोपण किया जा सके और क्षेत्र को पर्यावरणीय रूप से सुरक्षित बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि खदान क्षेत्र से राखड़ चोरी होने की जानकारी प्रबंधन को मिली है। इस मामले में पुलिस थाने को लिखित सूचना दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि खदानों में चोरी की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं। कई बार खदान क्षेत्र से कोयला, लोहे का कबाड़, केबल, डीजल और मशीनों के स्पेयर पार्ट्स चोरी होने की शिकायतें मिलती रही हैं। लेकिन अब राखड़ चोरी का यह नया तरीका सामने आने से प्रबंधन के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।



किए गए राखड़ पर अब कुछ लोगों की नजर पड़ गई है। बताया जा रहा है कि रात के समय डोजर और चैन माउटेन जैसी भारी मशीनों की मदद से राखड़ को ट्रकों में लोड किया जा रहा है। इसके बाद इसे कथित रूप से आसपास के फ्लाई ऐश ईट उद्योग संचालकों के अलावा क्षेत्र में बन रहे

मशीनों से राखड़ लोड करते हैं और देर रात ट्रकों के माध्यम से बाहर ले जाते हैं। लगातार हो रही इस गतिविधि से खदान क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ओसीएम खदान के मैनेजर विजय कुमार सिंह ने बताया कि एनटीपीसी के लारा, सीपत, कोरवा और रायगढ़ स्थित पावर

## राज्य ओपन स्कूल परीक्षा 16 मार्च से

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा 16 मार्च से 08 अप्रैल 2026 तक प्रातः 08:30 से 11:45 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा के सफल संचालन के लिए जिले में 07 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। जिसके अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट (हिन्दी माध्यम) विद्यालय बलरामपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजगंज, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शंकरगढ़, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वाडुफनगर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरतीकला, शासकीय बालक उच्चतर

माध्यमिक विद्यालय कुसमी को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। परीक्षा के लिए कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा उड़नदस्ता दल का भी गठन किया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में अनुभाग बलरामपुर के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी को दल प्रभारी एवं विकासखण्ड शिक्षाधिकारी व महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक को सदस्य बनाया गया है। इसी प्रकार अनुभाग रामानुजगंज के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी को दल प्रभारी एवं विकासखण्ड शिक्षाधिकारी व महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक को सदस्य, अनुभाग शंकरगढ़ के लिए तहसीलदार शंकरगढ़ को दल प्रभारी एवं

विकासखण्ड शिक्षाधिकारी व महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक को सदस्य, अनुभाग राजपुर के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी को दल प्रभारी एवं विकासखण्ड शिक्षाधिकारी व महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक को सदस्य तथा अनुभाग कुसमी के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारी को दल प्रभारी एवं विकासखण्ड शिक्षाधिकारी व महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक को सदस्य, अनुभाग शंकरगढ़ के लिए तहसीलदार शंकरगढ़ को दल प्रभारी एवं

## सामान्य सभा की बैठक आज



बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला पंचायत सामान्य सभा की बैठक 13 मार्च 2026 को दोपहर 12:00 बजे से जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक में कृषि विभाग, जल संसाधन, उद्यान एवं श्रम विभाग के अंतर्गत विभागीय योजना की समीक्षा सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

## दो वर्षों से बंद सोलर प्लांट, अंधेरे में रेडियापारा के ग्रामीण, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत खेरा के रेडियापारा में फ्रेडा विभाग द्वारा स्थापित 10 किलोवाट सोलर पावर प्लांट पिछले लगभग दो वर्षों से बंद पड़ा हुआ है। करीब 10 वर्ष पूर्व लगाया गए प्लांट जिसका बैटरी की कम्पनी द्वारा 5 वर्ष की वारंटी दी गई थी जो 5 वर्ष पूर्व समाप्त हो चुकी है, बावजूद इसके विभाग द्वारा इस ओर ध्यान नहीं किया जा रहा है। सोलर सिस्टम का इनवर्टर और बैटरी पूरी तरह खराब हो जाने के कारण गांव में रोशनी की व्यवस्था ठप हो गई है। इससे पूरे गांव में अंधेरा पसर रहा है और ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़



रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गांव में पहले से ही विद्युत लाइन की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसी समस्या को देखते हुए संबंधित विभाग द्वारा गांव में सोलर पावर प्लांट स्थापित कर ग्रामीणों के घरों में रोशनी पहुंचाने की व्यवस्था की गई थी। प्रारंभिक समय में इससे

ग्रामीणों को काफी राहत मिली और घरों में रोशनी के साथ बच्चों की पढ़ाई भी सुचारू रूप से होने लगी। लेकिन कुछ समय बाद सोलर सिस्टम की बैटरी और इनवर्टर खराब हो गए। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले करीब दो वर्षों से यह सिस्टम पूरी तरह बंद पड़ा

है। कई बार विभागीय अधिकारियों और जिला प्रशासन को इसकी जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी और निराशा का माहौल है।

### हाथी प्रभावित क्षेत्र में अंधेरे से बढ़ा खतरा

रेडियापारा क्षेत्र हाथी प्रभावित इलाका माना जाता है। यहां आए दिन जंगली हाथियों के दल गांव के आसपास पहुंच जाते हैं। अंधेरा होने के कारण ग्रामीणों के लिए स्थिति और भी भयावह हो जाती है। रात के समय खेतों या घरों से बाहर निकलना जोखिम भरा हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि रोशनी न होने से हाथियों और अन्य

वन्य जीवों की गतिविधियों का समय रहते पता नहीं चल पाता, जिससे जान माल का खतरा बना रहता है। गांव में बिजली व्यवस्था ठप होने का सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। अंधेरा होते ही पूरे गांव में सन्नाटा और अंधकार छा जाता है। ऐसे में बच्चों को पढ़ाई के लिए पर्याप्त रोशनी नहीं मिल पाती। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो बच्चों की शिक्षा पर इसका गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। जहरीले कीड़ों का भी खतरा अंधेरे के कारण ग्रामीणों को बना रहता है। रात के समय घरों के आसपास या रास्तों में निकलना मुश्किल हो जाता है।

## विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री का बड़ा ऐलान: अस्पतालों में की गई अटैचमेंट नियुक्तियों होगी रद्द

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र का गुरुवार को नौवां दिन रहा। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे प्रश्नकाल से शुरू हुई, जिसमें कई विभागों के कामकाज और बजट को लेकर चर्चा हुई। इसी दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में की गई अटैचमेंट नियुक्तियों को रद्द किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पतालों से कर्मचारियों को अटैच कर शहरी अस्पतालों में पदस्थ किया गया है, जिससे गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। इसी स्थिति को



देखते हुए सरकार ने ऐसे सभी अटैचमेंट को निरस्त करने का निर्णय लिया है, ताकि ग्रामीण अस्पतालों में पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध रह सके। प्रश्नकाल के दौरान मंत्री अपने ही दल की विधायक लता उसेंडी के सवालों से भी घिरते नजर आए। लता उसेंडी ने स्वास्थ्य विभाग में कार्य पूरा होने के बावजूद भुगतान नहीं

होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कई मामलों में ठेकेदारों ने काम पूरा कर दिया, लेकिन अब तक उन्हें भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के अधिकारी कभी मौखिक वर्क ऑर्डर के आधार पर भुगतान कर देते हैं, तो कभी उसी आधार पर भुगतान से इंकार कर देते हैं। विधायक ने यह भी कहा कि नौ महीने पहले अधिकारियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मुद्दे पर विपक्षी विधायकों ने भी सरकार को घेरते हुए स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और जवाब की मांग की। सदन में इस विषय को लेकर कुछ समय तक तीखी बहस देखने को मिली।

## जिले के 71 केन्द्रों में हायर सेकेंडरी की विभिन्न विषयों की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

## उड़नदस्ता दल ने किया निरीक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट मुख्य परीक्षा 2026 अंतर्गत 12 मार्च को सरगुजा जिले के 71 परीक्षा केन्द्रों में इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, कृषि विज्ञान के तत्व एवं गणित, ड्राइंग एंड पेंटिंग तथा आहार पोषण विषयों की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने विभिन्न परीक्षा

केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लुण्डा परीक्षा केन्द्र का अवलोकन किया गया। इसी प्रकार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित उड़नदस्ता दल ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुलिस लाइन तथा शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी केन्द्रों में परीक्षा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप शांतिपूर्ण ढंग से संचालित होती पाई गई। परीक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति के संबंध में प्राप्त

जानकारी के अनुसार इतिहास विषय में कुल 1943 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1899 उपस्थित रहे तथा 44 अनुपस्थित रहे। व्यवसाय अध्ययन विषय में 1303 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 1289 उपस्थित एवं 14 अनुपस्थित रहे। कृषि विज्ञान के तत्व एवं गणित विषय में 521 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 510 उपस्थित एवं 11 अनुपस्थित रहे। ड्राइंग एंड पेंटिंग विषय में 15 विद्यार्थी पंजीकृत थे और सभी 15 विद्यार्थी उपस्थित रहे। वहीं आहार पोषण विषय में 66 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 63 उपस्थित एवं 3 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

## मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विभागों के लिए लगभग 11763 करोड़ रुपये की अनुदान मांगें पारित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विभागों के लिए 11 हजार 762 करोड़ 53 लाख रूपए की अनुदान मांगें पारित कर दी गई हैं। इनमें महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 10,162 करोड़ 53 लाख रूपए तथा समाज कल्याण विभाग के लिए 1600 करोड़ रूपए से अधिक का बजट प्रावधान किया गया है। मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सदन में



चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राज्य सरकार मातृशक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री श्री

नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए अनेक योजनाओं का प्रभावी संचालन कर रही है। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि महतारी वंदन योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में से एक है। यह योजना राज्य की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को दिशा में ऐतिहासिक पहल साबित हुई है। इसके तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख महिलाओं को लाभान्वित

किया जा रहा है। अब तक 25 किरतों में 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की जा चुकी है। इससे महिलाओं के जीवन में आर्थिक मजबूती के साथ आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा मिला है और उनके जीवन में स्वावलंबन लाने का काम किया है। श्रीमती राजवाड़े ने सदन में कहा कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य तथा पोषण को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए 120 करोड़ रुपये तथा मिशन वात्सल्य योजना के लिए 80

करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन के लिए 800 करोड़ रुपये तथा पूरक पोषण आहार के लिए 650 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के उन्नयन और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढीकरण के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य और पोषण के लिए किशोरी बालिका योजना के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

## अम्बिकापुर आईटीआई में 20 मार्च को मेगा कैम्पस प्लेसमेंट, टाटा मोटर्स व हिंडाल्को करेंगी अपरेंटिसशिप चयन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) अम्बिकापुर में 20 मार्च 2026 को मेगा कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट ड्राइव में देश की प्रतिष्ठित कंपनियों टाटा मोटर्स लिमिटेड (पंत नगर, उत्तर प्रदेश) तथा हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड (रेणुकूट, उत्तर प्रदेश) आईटीआई उत्तीर्ण एवं अंतिम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों का अपरेंटिसशिप हेतु चयन किया जाएगा। संस्था के प्राचार्य ने बताया कि इस कैम्पस प्लेसमेंट में

आईटीआई पासआउट अभ्यर्थी एवं अंतिम वर्ष में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थी भाग ले सकते हैं। चयन प्रक्रिया के माध्यम से तकनीकी एवं गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के ट्रेडों के लिए अवसर उपलब्ध रहेंगे। कंपनियों द्वारा जिन प्रमुख ट्रेडों के लिए चयन किया जाएगा उनमें कोपा (उडडअ), स्टेनो-हिन्दी, सिविंग टेक्नोलॉजी, फिटर, वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, वायरमैन, रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग (फअउ), मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीजल मैकेनिक तथा शीट मेटल शामिल हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 20 मार्च

2026 को प्रातः 10 बजे शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, अम्बिकापुर में अपने सभी मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित हो सकते हैं। अभ्यर्थियों को शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा 02 पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। संस्था द्वारा क्षेत्र के सभी पात्र एवं इच्छुक युवाओं से इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की गई है, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिल सके।

## मंत्री नेताम के विभागों के लिए 50 हजार करोड़ से ज्यादा की अनुदान मांगें पारित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में बुधवार को कृषि एवं अनुसूचित जनजाति विकास मंत्री रामविचार नेताम के विभागों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 50 हजार 537 करोड़ 98 लाख 68 हजार रूपए की अनुदान मांगें पारित की गईं। इसमें कृषि विभाग के लिए 7075 करोड़ 90 लाख 56 हजार रूपए, पशुपालन विभाग के लिए 656 करोड़ 12 लाख 49 हजार रूपए, मछली पालन विभाग के लिए 110 करोड़ 67 लाख 30 हजार रूपए की अनुदान मांगें शामिल हैं। इसी प्रकार आदिम जाति कल्याण के लिए 157 करोड़ 05 लाख 58 हजार रूपए, अनुसूचित जनजाति उपयोगना के लिए 39,568 करोड़ 18 लाख 20 हजार रूपए, अनुसूचित जनजाति उपयोगना से संबंधित लोक निर्माण कार्य-सड़कें और

पुल के लिए 1596 करोड़ 89 लाख रूपए, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा से संबंधित व्यय के लिए 447 करोड़ 30 लाख रूपए, अनुसूचित जनजाति उपयोगना से संबंधित लोक निर्माण कार्य-भवन के लिए 215 करोड़ 69 लाख 19 हजार रूपए, अनुसूचित जनजाति उपयोगना के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं को वित्तीय सहायता के लिए 453 करोड़ 91 लाख 68 हजार रूपए तथा अनुसूचित जनजाति उपयोगना के अंतर्गत नगरीय निकायों को वित्तीय सहायता के लिए 256 करोड़ 24 लाख 68 हजार रूपए शामिल हैं। अमन-चैन और खुशहाली के रास्ते की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को हमने संकल्प की थीम पर तैयार किया है। इस संकल्प से ही हम राज्य के विकास को सिद्धि को हासिल करेंगे।

को कृषि पर निर्भरता है। छत्तीसगढ़ जनजातीय बाहुल्य प्रदेश भी है। राज्य में विश्व स्तरीय जनजातीय संग्रहालय बनाकर हमने इतिहास में जगह नहीं पाने वाले जनजातीय नायकों को स्थान दिया है। हमारे इस विश्व स्तरीय डिजिटल संग्रहालय के अध्ययन के लिए देश-विदेश के विशेषज्ञ और अधिकारी आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बस्तर अब विकास की तेज उड़ान के लिए तैयार है। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के लगातार प्रयासों से नक्सलवाद के खत्मे के बाद अब बस्तर अमन-चैन और खुशहाली के रास्ते की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को हमने संकल्प की थीम पर तैयार किया है। इस संकल्प से ही हम राज्य के विकास को सिद्धि को हासिल करेंगे।

## जिले में व्यापक प्रचार कर अग्निवीर भर्ती हेतु युवाओं को किया जा रहा प्रेरित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा भारतीय थल सेना अग्निवीर भर्ती 2026 के पूर्व पंजीयन को लेकर जिले भर में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत, नगर पंचायत, महाविद्यालय, पॉलीटेक्निक, आई.टी.आई. एवं विद्यालयों में पाम्पलेट और फ्लैक्स के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इस अभियान को विशेष गति देते हुए भूतपूर्व पैराकमांडो श्री पुरुषोत्तम चंद्रा, सैनिक कल्याण बोर्ड बिलासपुर के द्वारा आई.टी.आई. शिवनंदनपुर, शासकीय महाविद्यालय विश्रामपुर, आई.टी.आई. भगवांव एवं शासकीय महाविद्यालय भैयाथन में विशेष मार्गदर्शन सत्र आयोजित

किए गए। इन सत्रों में पीपीटी प्रस्तुति के माध्यम से अग्निवीर भर्ती की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई तथा युवाओं का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें सेना में कैरियर बनाने हेतु अभिप्रेरित किया गया रोजगार कार्यालय सूरजपुर द्वारा संचालित कैरियर मार्गदर्शन कैम्पों में उपस्थित विद्यार्थियों को न केवल अग्निवीर बनने, बल्कि अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। साथ ही महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को भी युवाओं को सेना एवं सरकारी सेवाओं की ओर प्रेरित करने हेतु अभिप्रेरित किया गया। मार्गदर्शन कार्यक्रमों में महाविद्यालय एवं आई.टी.आई. के समस्त स्टाफ, छात्र छात्राएं तथा रोजगार कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## छत्तीसगढ़ में बनेगा कर्मचारी चयन मंडल, व्यापम होगा भंग

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में गठन में कर्मचारी चयन मंडल के राज्य को मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले के बाद अब राज्य सिविल सेवा परीक्षा को छोड़कर अधिकांश सरकारी भर्तियां इसी नए मंडल के माध्यम से की जाएंगी। सरकार के फैसले के बाद छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) को भंग कर दिया जाएगा और उसकी जगह कर्मचारी चयन मंडल काम करेगा। कैबिनेट में पारित प्रस्ताव के अनुसार नया मंडल व्यापम की तुलना में अधिक सशक्त होगा और भर्ती प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी और तेज बनाने की दिशा में काम करेगा। राज्यपाल की अधिसूचना जारी होते ही व्यापम को समाप्त कर दिया जाएगा। वर्तमान में व्यापम की अध्यक्ष रेणु पिल्ले ही कर्मचारी

चयन मंडल की चेयरमैन होंगी। हालांकि नए मंडल में चेयरमैन के साथ-साथ पीएससी की तरह सदस्यों की भी नियुक्ति की जाएगी। चेयरमैन और सदस्य सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी होंगे और सभी महत्वपूर्ण फैसले पूर्ण बोर्ड द्वारा लिए जाएंगे।

### भर्ती में गड़बड़ियों के बाद लिया फैसला

पिछले समय में शिक्षक और पुलिस कांस्टेबल भर्ती जैसी प्रक्रियाओं में सामने आई समस्याओं के बाद सरकार ने मजबूत भर्ती तंत्र बनाने का फैसला किया। कई मामलों में भर्ती प्रक्रिया में देरी और चयन में गड़बड़ियों की शिकायतों सामने आई थीं, जिसके कारण हजारों पद खाली रह गए थे। नए कर्मचारी चयन मंडल का उद्देश्य विभिन्न विभागों की समान प्रकृति की परीक्षाओं को एक साथ आयोजित करना है। इसके लिए

परीक्षा कैलेंडर जारी किया जाएगा और तय समय में परीक्षा और परिणाम घोषित किए जाएंगे। इससे युवाओं को लंबे समय तक रिजल्ट का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

### जिला स्तर की भर्तियां भी होंगी केंद्रीकृत

सरकार जिला स्तर पर होने वाली चतुर्थ श्रेणी और अन्य भर्तियों को भी कर्मचारी चयन मंडल के अधीन लाने की तैयारी में है। इससे भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और अनियमितताओं पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि कई राज्यों के भर्ती बोर्डों का अध्ययन करने के बाद यह मॉडल तैयार किया गया है। उनका कहना है कि यह नया मंडल राज्य में सम व्यवहार और पारदर्शी भर्ती प्रणाली स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

सम्पादकीय

# जमाखोरी पर कड़ी नजर से ही जरूरतमंद को मिलेगी गैस

देश में इन दिनों कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की किल्लत गहराती जा रही है। कई गज्यों में सप्लाई पर रोक लगाने से होटल, ढाबों, रेस्टोरेंट्स और होस्टलों के सामने गैस का संकट खड़ा हो गया है। ऐसे हालात में सबसे बड़ी चिंता यह है कि कहीं गैस की कालाबाजारी और जमाखोरी न बढ़ जाए। अगर समय रहते सरकार ने इस पर सख्त निगरानी नहीं रखी तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि गैस की आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए और जमाखोरी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि गैस वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंच सके। गैस की किल्लत का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव माना जा रहा है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़े टकराव के कारण हॉर्मुज जलमार्ग से गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह मार्ग विश्व के ऊर्जा व्यापार का एक महत्वपूर्ण रास्ता है और इसके बाधित होने से कई देशों की ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ता है। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा है। इसी वजह से देश में एलएनजी की आपूर्ति प्रभावित हुई और गैस वितरण व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। रसीदें गैस (एलपीजी) और पाइप से मिलने वाली गैस (पीएनजी) को 100 प्रतिशत उपलब्धता के साथ सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी और उर्वरक संयंत्रों को भी प्राथमिकता दी गई है, क्योंकि इनका संबंध सीधे आम लोगों की जरूरतों और कृषि उत्पादन से है। गैस वितरण और प्रबंधन की जिम्मेदारी भी गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को दी गई है। इसका असर कॉमर्शियल गैस उपभोक्ताओं पर भी पड़ रहा है। होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट और छोटे उद्योग गैस की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसे में इन्हें भी प्राथमिकता वाले क्षेत्र में रखा जाना चाहिए। दरअसल, होटल और ढाबे सिर्फ व्यापार नहीं हैं, बल्कि लाखों लोगों की आजीविका से जुड़े हुए हैं। इनसे जुड़े रसोइयों, वेटरों, डिलीवरी कर्मियों और अन्य कर्मचारियों की रोजी-रोटी इसी पर निर्भर करती है। यदि गैस की कमी के कारण यह कारोबार उप पड़ता है तो इसका असर सीधे रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। ऐसे संकट के समय में सबसे बड़ा खतरा जमाखोरी और कालाबाजारी का होता है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी जरूरी वस्तु की कमी होती है तो कुछ लोग इसका अनुचित लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन गैस की किल्लत के समय भी यही हुआ था। कई जगहों पर जमाखोरी ने ऑक्सीजन सिलेंडरों को छिपाकर रखा और जरूरतमंदों से मनमाने दाम वसूलें। इसी खतरों को देखते हुए केंद्र सरकार ने 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू किया है। इस कानून के तहत सरकार किसी भी जरूरी वस्तु की सप्लाई और कीमतों को नियंत्रित कर सकती है तथा जमाखोरी पर रोक लगा सकती है। गैस की मौजूदगी स्थिति में यह कदम बेहद जरूरी है, लेकिन केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। इसका सख्ती से पालन भी सुनिश्चित करना होगा। सरकार को चाहिए कि गैस एजेंसियों, गोदामों और वितरण केंद्रों की निगरानी निगरानी की जाए। यदि सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त नजर रखे, वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाए और सभी क्षेत्रों की जरूरतों के बीच संतुलन स्थापित करे, तो इस संकट से प्रभावी ढंग से निपटारा जा सकता है। तभी यह सुनिश्चित होगा कि गैस वास्तव में उन लोगों तक पहुंचे, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।



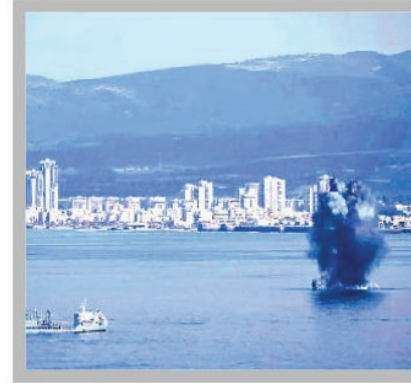
जल संयंत्र  
प्रमोद भागव

ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर शुरू हुई लड़ाई अब पानी पर हमले और उसकी सुरक्षा के उपायों तक पहुंच गई है। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी हमले में हॉर्मुज जलडमरूमध्य के निकट केशम द्वीप स्थित एक खारे पानी को मीठा बनाने वाला जल संयंत्र क्षतिग्रस्त हुआ है, इससे 30 ग्रामों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके बाद ईरान ने बहरीन के संयंत्र को निशाना बनाया। इन हमलों ने बता दिया कि ईरान-अमेरिका का यह युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि खाड़ी देशों के जल संयंत्रों के विनाश तक पहुंच गया है। इस परिप्रेक्ष्य में चिंता की बड़ी बात है कि खाड़ी देशों की आबादी की बड़ी संख्या पीने के शुद्ध पानी के लिए इन्हीं जल संयंत्रों पर आश्रित है। अतएव इन पर आक्रमण समूचे खाड़ी क्षेत्र में भयावह जल संकट पैदा कर सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि अगला विश्व युद्ध पानी के लिए होगा। अब पूरे मध्य एशिया में जो युद्ध की भयानक स्थिति देखने में आ रही है, उससे लगता है पानी के लिए युद्ध छिड़ गया है। पानी की सुरक्षा को सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि खाड़ी के देशों ने अपने समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्रों को तेल प्रतिष्ठानों से कहीं अधिक बड़ी सुरक्षा दे दी है। यहां तक की झोन और मिसाइलों भी तैनात कर दिए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। संयंत्रों के साथ बिजली घर भी जुड़े होते हैं। ऐसे में विद्युत ढांचों पर हमले भी पानी के उत्पादन को प्रभावित कर सकते हैं। यदि किसी बड़े संयंत्र को गंभीर नुकसान होता है तो कई नगर कुछ ही दिनों में पेयजल संकट से जूझ जाएंगे। इस कारण झोन और मिसाइलों भी तैनात कर दिए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। अमेरिका और इजराइल ने लड़ाकू विमानों लेबनान की राजधानी तेहरान में केमिकल टॉक्सिक बमों से भीषण हमला किया है। इस कारण तेहरान के 30 बड़े तेल भंडार तबाह हो गए हैं। तेहरान आग की लपटों से घेरा उठा है। बादल धुंए से भर गए हैं। टॉक्सिक हाइड्रो कार्बन और सल्फर से तेहरान में तेल की अम्लीय बारिश देखी गई। प्राकृतिक जल की सतहों पर तेल की परत जम गई है, ऐसे में नए हमले होते हैं तो यह तेल जल उठेगा। इस कारण 90 लाख की आबादी वाले तेहरान में अघोषित कर्फ्यू के हालात बन गए हैं। दुर्घटना पानी हो जाने के कारण सप्लाई ठप है। बिजली भी बंद कर दी गई है। ये बम लेबनान के इरान समर्थक आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के ठिकानों पर पड़े गए हैं। इन टॉक्सिक बमों में घातक

# खाड़ी देशों में पानी पर हमले से संकट

ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर शुरू हुई लड़ाई अब पानी पर हमले और उसकी सुरक्षा के उपायों तक पहुंच गई है। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी हमले में हॉर्मुज जलडमरूमध्य के निकट केशम द्वीप स्थित एक खारे पानी को मीठा बनाने वाला जल संयंत्र क्षतिग्रस्त हुआ है, इससे 30 ग्रामों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके बाद ईरान ने बहरीन के संयंत्र को निशाना बनाया। इन हमलों ने बता दिया कि ईरान-अमेरिका का यह युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि खाड़ी देशों के जल संयंत्रों के विनाश तक पहुंच गया है। इस परिप्रेक्ष्य में चिंता की बड़ी बात है कि खाड़ी देशों की आबादी की बड़ी संख्या पीने के शुद्ध पानी के लिए इन्हीं जल संयंत्रों पर आश्रित है। अतएव इन पर आक्रमण समूचे खाड़ी क्षेत्र में भयावह जल संकट पैदा कर सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि अगला विश्व युद्ध पानी के लिए होगा। अब पूरे मध्य एशिया में जो युद्ध की भयानक स्थिति देखने में आ रही है, उससे लगता है पानी के लिए युद्ध छिड़ गया है। पानी की सुरक्षा को सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि खाड़ी के देशों ने अपने समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्रों को तेल प्रतिष्ठानों से कहीं अधिक बड़ी सुरक्षा दे दी है। यहां तक की झोन और मिसाइलों भी तैनात कर दिए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। संयंत्रों के साथ बिजली घर भी जुड़े होते हैं। ऐसे में विद्युत ढांचों पर हमले भी पानी के उत्पादन को प्रभावित कर सकते हैं। यदि किसी बड़े संयंत्र को गंभीर नुकसान होता है तो कई नगर कुछ ही दिनों में पेयजल संकट से जूझ जाएंगे। इस कारण झोन और मिसाइलों भी तैनात कर दिए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। अमेरिका और इजराइल ने लड़ाकू विमानों लेबनान की राजधानी तेहरान में केमिकल टॉक्सिक बमों से भीषण हमला किया है। इस कारण तेहरान के 30 बड़े तेल भंडार तबाह हो गए हैं। तेहरान आग की लपटों से घेरा उठा है। बादल धुंए से भर गए हैं। टॉक्सिक हाइड्रो कार्बन और सल्फर से तेहरान में तेल की अम्लीय बारिश देखी गई। प्राकृतिक जल की सतहों पर तेल की परत जम गई है, ऐसे में नए हमले होते हैं तो यह तेल जल उठेगा। इस कारण 90 लाख की आबादी वाले तेहरान में अघोषित कर्फ्यू के हालात बन गए हैं। दुर्घटना पानी हो जाने के कारण सप्लाई ठप है। बिजली भी बंद कर दी गई है। ये बम लेबनान के इरान समर्थक आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के ठिकानों पर पड़े गए हैं। इन टॉक्सिक बमों में घातक

रसायन होते हैं। ये फसलों को बर्बाद करने के साथ पानी को भी पूरी तरह दूषित कर देते हैं। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान कतर जैसे खाड़ी देशों में 90 फीसदी समुद्री खारे पानी को मीठे में बदलकर आपूर्ति जल संयंत्रों से की जाती है। 10 बड़े जल संयंत्रों को ईरान निशाना बना सकता है। एक पुराने अमेरिकी कृत्रमीत दस्तावेज में चेतावनी दी गई थी कि यदि सऊदी अरब के जुबेल जल संयंत्र और उसकी पाइपलाइन को नुकसान होता है तो राजधानी रियात को एक सप्ताह के भीतर खाली करना होगा। हालांकि सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात



ने अपने तलाबों और सप्लाई लाइन में बड़ा निवेश किया हुआ है। इसलिए वह जल संकट का सामना एक बार कर सकता है, किंतु बहरीन, कतर और कुवैत जैसे छोटे देशों के पास वैकल्पिक साधन कम हैं। इसलिए इन देशों के संयंत्र लड़ाई में प्रभावित हुए तो पानी के लिए घरेलू स्तर पर भी जंग छिड़ सकती है। ईरान के लिए यह अच्छी बात है कि वे खुद जल संयंत्रों पर अधिक निर्भर नहीं हैं। ईरान में ज्यादातर पेयजल की सप्लाई नदियों, बांधों और भूगर्भीय जल से होती है, इसलिए वह सीमित समय के लिए संकट झेलने में सक्षम है, लेकिन कई साल से सूखे के चलते तेहरान के तालाबों का पानी खतरनाक स्तर तक घट गया है। इजराइल भी समुद्र के खारे पानी को मीठा बनाने की तकनीक पर निर्भर है। इस परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2050 तक जल विश्व की 40 फीसदी आबादी जल संकट भोग रही होगी, तब भी इजराइल में पीने के पानी का संकट नहीं होगा। इजराइल न सिर्फ हथियारों, बल्कि पानी के मामले में भी महाशक्ति बनकर उभरा है। इजराइल में तेल अवीव के डोर तट पर समुद्र के पानी को तत्काल पीने लायक बनाने वाले संयंत्र लगे हुए हैं। ये संयंत्र 'गोलमोबाइल वॉटर

फिल्ट्रेशन प्लांट' कहलाते हैं। यह चलित फिल्टर प्लांट है। कई संयंत्र जीपों पर भी स्थापित हैं। इन्हें 'फ्यूचर जीप' कहते हैं। प्राकृतिक या युद्ध संबंधी आपदा के वक्त यह संयंत्र बेहद उपयोगी हो जाता है। इसे संकटग्रस्त इलाकों में पहुंचाकर लोगों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध करा दी जाती है। पृथ्वी का 71 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूबा हुआ है। 1.6 प्रतिशत पानी धरती के नीचे है और 0.001 फीसद वाष्प और बादलों के रूप में है। पृथ्वी की सतह पर जो पानी है, उसमें 97 प्रतिशत सागरों और महासागरों में है, जो नमकीन होने के कारण पीने लायक नहीं है। कुल उपलब्ध पानी में से केवल तीन प्रतिशत पानी ही पीने योग्य है। इसमें से 2.4 फीसदी हिमखंडों के रूप में उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा हुआ है। भूगर्भीय जल भण्डारों का बेहतरीन दोहन करने और शुद्ध पानी के प्राकृतिक भण्डारों के ऊपर बहुमंजिला इमारतें खड़ी किए जाने से दुनिया के जल भंडार सूख रहे हैं। भारत में मुंबई, चैन्नई, कोलकाता, गोवा, बाप्री, दमन, तिरुवनंतपुरम, पुरी, एर्नाकुलम, कोझीकोड, रत्नागिरी और विजयनगर जैसे नगरों का भूजल समाप्त होने की स्थिति में है। इनमें सबसे बुरा हाल मुंबई का है। मुंबई में जिस तेजी से जल दोहन किया जा रहा है, उससे लगता है कि 2030 तक मुंबई के मीठे पानी के जल भण्डार रीत जाएंगे। यहां वर्षा का जो पानी जमीन सोखती है, वह एक निश्चित सीमा तक पहुंच पा रहा है। इसी के नीचे समुद्री क्षार वाला पानी बह रहा है, जो खारा है। ये सभी नगर समुद्र किनारे बसे हैं, लेकिन खाड़ी देशों की तरह खारे पानी को मीठा बनाने के संयंत्र स्थापित करने में कोई नगर आगे नहीं आया है। जमीन की भीतरी बनावट ऐसी होती है कि बारिश का पानी एक निधारित सीमा तक ही जमीन में तरता रहता है, जो कि प्रसंस्कृत होकर नीचे पीने के योग्य अपने आप बनता रहता है। ज्यादा खुदाई के बाद समुद्र किनारे बसे ज्यादातर महानगरों में खारा पानी आ जाता है, क्योंकि वहां समुद्री जल स्तर से प्रभावित होने लगता है। यह खतरा भूमण्डल का तात्मान लगातार बढ़ते जाने से और बढ़ गया है। नए अध्ययनों से पता चलता है कि पश्चिमी अंटार्कटिक में बिल्डी बर्फ की पट्टी बहुत तेजी से पिघल रही है। यह पानी समुद्री जल को बढ़ा रहा है। इस कारण एक ओर तो बाल्टिक और मार्शल द्वीपों पर डूब जाने का आसन्न खतरा मंडरा रहा है, वहीं समुद्री रिहाइशी इलाकों का पीने योग्य पानी खारे पानी में विलय हो जाने का खतरा है। ऐसे में ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध ने समुद्र तटीय खाड़ी देशों में पेयजल संकट को गहरा दिया है।

(लेखक चर्चित लेखकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## पड़ोस अखिलेश आर्यन्दु



### नया बदलाव नेपाल-भारत

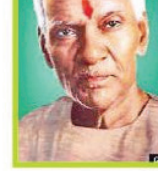
### रिश्तों के लिए अहम

कुछ ही दिनों में नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा। संभावना है कि बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल में नई युवा संसद वाला मंत्रिमंडल शपथ ग्रहण करेगा। नेपाल के इतिहास में पहली बार 99 प्रतिशत संसद युवा होंगे, जिनमें बालेन शाह की उम्र 35 वर्ष है। कहा जा रहा है कि नेपाल में हुए जेन जो आंदोलन की वजह से इस बार की संसद युवा बना दिया है। दिलचस्प बात यह है कि पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड को छोड़कर इस बार कोई भी उम्मीदवार नेता नेपाल की संसद में नहीं होगा। इतिहास किस तरह बदलता है और उस देश के लिए किस तरह की तस्वीर पेश कर रहा है, नेपाली संसदीय चुनाव के बाद उभरी तस्वीर को देखकर समझा जा सकता है। नेपाल में इस बार संसदीय इतिहास ही नहीं बदला है बल्कि राजनीति और नेपाल के राजनीतिज्ञों के चेहरे भी बदल गए हैं। यानी नए नेपाल की नई तस्वीर। नेपाल के लोकतंत्रीय राजनीति के इतिहास में पहली बार हुआ है कि कोई एक दल अपने बूते पर सरकार बना रहा है। गौरतलब है कि 2008 में नेपाल में 239 साल पुरानी नेपाल की राजशाही व्यवस्था के स्थान पर लोकतंत्र कायम हुआ था और देश में नया संविधान 2015 में लागू हुआ। जिन वजहों से राजशाही व्यवस्था को खत्म किया गया था और जिन उद्देश्यों को हासिल करने के उद्देश्य से नया संविधान लागू किया गया था, इसमें किसी भी उद्देश्य को पिछली सरकारें हासिल करने में विफल रही थीं। शाहद इसी विफलता का परिणाम था नेपाल में सत्ता के प्रति खुला विद्रोह यानी जेन जो आंदोलन। राजशाही खत्म होने के बाद केंद्र में जिन दलों के गठजोड़ से सरकारों का गठन हुआ, उनके कार्यों के प्रति जनता में संतोष और इम्मान देखने को नहीं मिला। यानी पिछली सरकारों के प्रति नेपाली जनता के अनुभव कभी अच्छे नहीं रहे। जेन जो आंदोलन के बाद हुए इस पहले चुनाव में पिछली चुनावी तस्वीर को एकदम बदल कर रख दिया है। अब यह तय माना जा रहा है कि स्वतंत्र पार्टी जो पूर्ण बहुमत (138 सीटें पूर्ण बहुमत के लिए चाहिए) से भी अधिक सीटें जीत कर पहली बार अकेले दम पर सरकार का गठन करने जा रही है। अब आरएसपी को जब नेपाली संसद में पूर्ण बहुमत हासिल हो गया है, नेपाली जनता की उम्मीदों पर ही खरा नहीं उतरना है, बल्कि भारत सहित पड़ोसियों के साथ संतुलन बनाते हुए बेहतर रिश्ते कायम रखना होगा। खासकर भारत के साथ बेहतर पारंपरिक रिश्ते जगजाहिर रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली के वक्त जो बहुत अच्छे नहीं थे, उसे भी बेहतर करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। भारत के साथ एक संतुलित और पारंपरिक रिश्ते को कायम रखने के लिए भारत सरकार से किस तरह की नीति अपनाई जाए, इस नई सरकार को बेहद संजीवा ढंग से समझना होगा। दरअसल, चीन की लगातार कोशिश रहती है कि वह नेपाल की राजनीति में हर स्तर पर दखल ही न दे, बल्कि अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए भारत के साथ बने पारंपरिक रिश्ते में दारार पैदा कर, अपना उल्लू सीधा करे। चीन में बनी तमाम वस्तुएं नेपाली बाजारों में बेधड़क बिकती हैं। भारत की कोशिश रही है कि नेपाल के बाजारों में भारत में बनी ज्यादातर चीजों की खपत हो। ऐसे में नई सरकार को बेहतर संतुलन बनाकर चलना होगा जिससे उसके पड़ोसियों से रिश्ते भी खराब न हों। प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसपी के दोनों बड़े नेताओं रवि लामिछाने और बालेन शाह को बधाई ही नहीं दी बल्कि नई सरकार को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि आने वाले वक्त में दोनों देशों की साझेदारी से भारत और नेपाल के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे। बालेन शाह यदि भारत के साथ सनातन संबंधों को तरजीह देंगे तो इससे भारत के साथ पूर्ण मैत्री संबंध ही नहीं बनेंगे, बल्कि नेपाल के प्रगति, विकास और संबंधों को स्थायित्व देने में एक नई इबारत लिखी जा सकती है। हम उम्मीद कर सकते हैं कि नेपाल की नई सरकार अपनी ऐतिहासिक चुनावी जीत के रूप में ही नहीं जानी जाएगी, बल्कि भारत के साथ अपने रिश्तों को प्राथमिकता देकर नई ऊंचाई हासिल करने में कामयाब होगी। आरएसपी के घोषणापत्र में नेपाल-चीन इंटरट्रैडवर्क पार्क परियोजना को हटा दिया गया था। इसका मतलब नेपाल चीन की हर शर्त या योजना पर आंख मूंद कर मोहर लगाते चला जा रहा होगा। यदि वे भारत के साथ सनातन संबंधों को तरजीह देंगे तो इससे भारत के साथ पूर्ण मैत्री संबंध ही नहीं बनेंगे, बल्कि नेपाल के प्रगति, विकास और संबंधों को स्थायित्व देने में एक नई इबारत लिखी जा सकती है। उम्मीद कर सकते हैं कि नेपाल की नई सरकार अपनी ऐतिहासिक चुनावी जीत के रूप में ही नहीं जानी जाएगी, बल्कि भारत के साथ अपने रिश्तों को प्राथमिकता देकर नई ऊंचाई हासिल करने में कामयाब होगी।

(लेखक चर्चित लेखकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## संसार की समस्त समस्याओं का निदान अध्यात्मवाद

वर्तमान की समस्त समस्याओं का एक सहज सरल निदान है, अध्यात्मवाद। यदि शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आर्थिक जैसे सभी क्षेत्रों में अध्यात्मवाद का समावेश कर लिया जाए, तो समस्त समस्याओं का समाधान साथ-साथ होता चले और आत्मिक प्रगति के लिए अवसर एवं अवकाश भी मिलता रहे। विषयों में सर्वथा भौतिक दृष्टिकोण रखने से

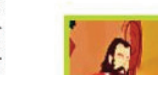


संकलित दर्शन

ही सारी समस्याओं का सूत्रपात होता है। दृष्टिकोण में वांछित परिवर्तन लाते ही सब काम बनने लगेंगे। आत्म-परिष्कार से संसार परिक्रम होना चला जाता है। अपने को सुधारने से सारी समस्याओं का समाधान होता चला जाता है। अपने को ठीक कर लेने से आसपास के वातावरण के ठीक बनने में देर नहीं लगती। यह एक सुनिश्चित तथ्य है कि जो अपना सुधार नहीं कर सका, अपनी गतिविधियों को सुव्यवस्थित नहीं कर सका, उसका भविष्य अंधकार मय ही बना रहेगा। इसीलिए मनीषियों ने मनुष्य की सबसे बड़ी बुद्धिमत्ता उसकी आध्यात्मिक प्रवृत्ति को ही माना है। अध्यात्मवाद का व्यावहारिक स्वरूप है, संतुलन, व्यवस्था एवं आचित्य। शारीरिक समस्या तब पैदा होती है, जब शरीर को भोग साधन चमस्य करवा जाता है। आहार-विहार और रहन-सहन को विचार परक बना लिया जाता है। इसी अनौचित्य एवं अनियमितता से रोग उत्पन्न होने लगते हैं और स्वास्थ्य समाप्त हो जाता है। विभिन्न शारीरिक समस्याओं का आसानी से हल निकल सकता है, यदि इस संदर्भ में दृष्टिकोण को आध्यात्मिक बना लिया जाए।

## हर समस्या का समाधान मिलता है समय के साथ

एक लोक कथा है। पुराने समय में किसी गांव में एक व्यक्ति हमेशा परेशानियों में घिरा रहता था। एक दिन निराशा दूर करने के लिए वह अपने गुरु के पास पहुंचा और कहा कि गुरु जी, मेरे दुख बहुत बढ़ गए हैं। कृपया मुझे कोई उपाय बताइए, जिससे मैं खश रह सकूँ। गुरु ने अपने शिष्य से



संकलित प्रेरणा

कहा कि पहले तुम्हें यह समझना होगा कि सच्चे सुख किसे कहते हैं। जाओ, गांव में जो सबसे सुखी व्यक्ति है, उसके घर से मुट्ठीभर अनाज लेकर आओ। शिष्य ने गुरु की आज्ञा मानी और गांव में सबसे सुखी व्यक्ति की खोज में निकल पड़ा। शिष्य पूरे गांव में घूमने के बाद भी किसी सबसे सुखी व्यक्ति को नहीं खोज पाया। अंत में वह गुरु के पास लौट आया और सारी बात बताई। गुरु मुस्कुराए और बोले कि देखो, लोग हमेशा दूसरों से तुलना करते दुखी होते हैं। हर व्यक्ति के जीवन में समस्याएं होती हैं मगर समय के साथ उनका समाधान भी हो जाता है। अगर तुम सच्चे सुख को पाना चाहते हो, तो दूसरों पर ध्यान मत दो। अपनी बुराइयों और कमजोरियों को सुधारो। शिष्य ने गुरु की बात समझी और धीरे-धीरे अपने जीवन में इसे लागू किया, उसने देखा कि कुछ ही दिनों में उसके जीवन में शांति आ गई।

## अंतर्मन



## करंट अफेयर

### सैन्य अभ्यास से चुनौती दी तो भयानक परिणाम भुगतने पड़ेंगे

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने ईरान में जारी जंग के बीच अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सालाना संयुक्त सैन्य अभ्यास की कड़ी आलोचना की है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया 'वारियर शील्ड' नाम का फील्ड ट्रेनिंग कार्यक्रम भी चलते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक सुरक्षा के इस खतरनाक समय में यह अभ्यास क्षेत्र की स्थिरता को नुकसान पहुंचा रहा है। मंगलवार को जारी किए गए बयान में किम यो जोंग ने चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया की सुरक्षा को कोई भी चुनौती देने पर 'भयानक परिणाम' भुगतने पड़ेंगे। बता दें कि सोमवार को अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने अपना 11 दिन का 'प्रोडम शील्ड' अभ्यास शुरू किया था जिसमें हजारों सैनिक शामिल हैं। किम यो जोंग ने ईरान के युद्ध का नाम लिए बिना कहा कि अमेरिका-दक्षिण कोरिया के ये अभ्यास क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तेजी से ढह रही है और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युद्ध छिड़ रहे हैं, तब इन लापरवाह और बदमाश अंतरराष्ट्रीय गुंडों के कृत्यों के कारण यह सब हो रहा है।' 'प्रोडम शील्ड' अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाओं द्वारा हर साल किए जाने वाले 2 कमांड-पोस्ट अभ्यासों में से एक है।



## आज की पाती

### शेयर धारकों को नुकसान

आजकल शेयर बाजार में गिरावट की खबरें सुर्खियों में हैं। इससे बहुत से लोगों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। शेयर बाजार में ऐसी गिरावट काफी बनी बाद देखने को मिल रही है। इस गिरावट से बहुत से उन लोगों की उम्मीदें धराशायी हुईं जिनका कारोबार ही शेयर बाजार पर निर्भर है। शेयर क्व ऑफि डूंग गिरे, कोई पता नहीं, क्योंकि शेयर बाजार कर्मियों पर ही ज्यादा निर्भर होता है और कोई बड़ी कंपनी क्व घाटे में चली जाए, यह पता नहीं चलता। दूसरा, शेयर बाजार दुनिया के किसी भी देश में होने वाले युद्ध से प्रभावित होते हैं। हमारे देश में कम लोग ही शेयर बाजार के बारे में जानते हैं, इसलिए यह कहना उचित होगा कि हमारे देश में शेयर बाजार में निवेश करना ही बेहतर विकल्प नहीं है। -युवालेखिका साहू, रायपुर

## ऑफ बीट

### महर्षि दुर्वासा की तपोभूमि है श्री दुर्वेश्वर महादेव

देवभूमि हिमाचल प्रदेश के घर्मशाला शहर से लगभग दस किलोमीटर दूर नद्दी के समीप डल क्षेत्र में स्थित श्री दुर्वेश्वर महादेव मंदिर ऐसी ही एक पावन तीर्थ है, जहां श्रद्धा इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य एकाकार हो उठते हैं। मंदिर के ठीक सममुख स्थित शांत जलराशि से युक्त डल झील इस स्थल की आध्यात्मिक आभा को और भी गहन बना देती है। मान्यता है कि प्राचीन काल में महर्षि दुर्वासा ने इसी तपोभूमि पर कठोर साधना की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें वरदान मांगने को कहा। महर्षि ने अपने लिए कुछ नहीं मांगा, बल्कि जनकल्याण की भावना से तपस्थली के समीप जल की व्यवस्था करवा चहा। शिव ने उनकी कामना स्वीकार की और सप्तऋषियों के प्रतीक रूप में सात जलधारएं फूट पड़ीं। वही जलधारएं आगे चलकर एकत्रित हुईं और डल झील के रूप में प्रतिष्ठित हुईं। कालांतर में यहां महादेव की स्थापना हुई और यह स्थल (छोटा मणिरमेश्वर) के रूप में विख्यात हो गया। श्रद्धालुओं की आस्था है कि यहां स्नान एवं प्रतिक्रमा से वही पुण्यफल प्राप्त होता है, जो भरमौर स्थित पवित्र मणिरमेश्वर यात्रा से मिलता है। इतिहास के अनुसार इस मंदिर का निर्माण लगभग दो शताब्दी पूर्व घरोह निवासी कलेशर सिंह राणा ने करवाया था।



## टैंड

### जल जीवन मिशन

केटीय कैबिनेट द्वारा 8.69 लाख करोड़ की लागत से जल जीवन मिशन 2.0 को केंद्रीय जनकल्याण के प्रति संरक्षक के कर्तव्यत्व का प्रतिबन्ध है। इसमें 19.36 करोड़ वार्षिक परिवर्तन के तहत से जल पुरवठा और जल सेवाओं का ऑपरेशन व मटेनेंस और अधिक प्रभावी होगा। -अमित शाह, कैटीय गृहमंत्री

### शी बॉक्स पोर्टल

कार्टरस्टाल पर महिलाओं के विरुद्ध यौन उत्पीड़न की शिकायतों को समाधान हेतु शी बॉक्स पोर्टल महिलाओं को शिकायतें सहज, सुरक्षित और गोपनीय तरीके से ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है। -अन्नपूर्णा देवी, कैटीय महिला विकास मंत्री

### अर्थव्यवस्था को नुकसान

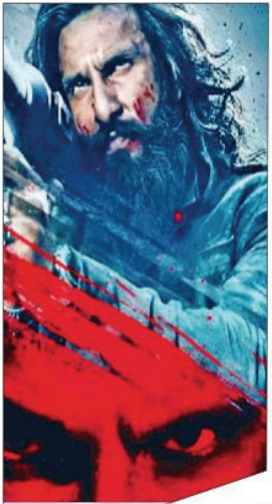
परिचय एशिया में चल रहा युद्ध हमारी अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन हमारे प्रधानमंत्री ने इस पर वर्धा कर्तव्य का साहस नहीं है। शेयर बाजार गिर रहा है, गैस की कीमतें बढ़ रही हैं, इसका तीव्र असर आम अर्थी, घरेलू बजट और छोटे व मध्यम व्यवसायों पर पड़ रहा है। -राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

### गैस-तेल की किल्लत

ऐसाफिक संरक्षण और अस्पतालों को छोड़कर, बाकी सभी कॉमर्शियल संरक्षणों को एलपीजी गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है। केवल घरेलू उपयोग के लिए गैस दी जा रही है। आने वाले दिनों में गैस और तेल की रिश्तें और खराब होने के आसार हैं। -अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली







## धुरंधर 2 का नया पोस्टर जारी ईश्वर के प्रकोप का दिया संकेत

मुंबई। रणवीर सिंह की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर 2' का एक नया पोस्टर जारी हो चुका है। फैंस पोस्टर में रणवीर सिंह के दोनों लुक को लेकर काफी उत्सुक हैं। 'धुरंधर 2' के नए पोस्टर में रणवीर सिंह दो अलग-अलग किरदारों में दिख रहे हैं- जसकिरत सिंह रंगी और हमजा अली मजारी।

उन्होंने पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा, 'ईश्वर का प्रकोप आ रहा है'। फिल्म के पोस्टर को देखने के बाद फैंस काफी उत्साहित हैं। फैंस 'धुरंधर 2' में रणवीर सिंह के लुक को देखकर बहुत खुश हैं। सोशल मीडिया पर लोग तारीफ कर रहे हैं और फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

## लाइफ Style

लेजेड्री एक्ट्रेस मधुबाला की बायोपिक की चर्चा काफी लंबे समय से चला रही है। हाल ही खबर आई कि इसमें मधुबाला का किरदार 'सैयारा' एक्ट्रेस अनीत एडा निगाएंगी, पर ऐसा नहीं है। अब इंडस्ट्री के सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है।

## बायोपिक में कास्टिंग की खबरें बेबुनियाद

अनीत पट्टा फिल्म में मधुबाला का किरदार नहीं निभाएंगी। एक सोर्स ने साफ किया कि अनीत पट्टा का नाम मधुबाला बायोपिक से जोड़ना एकदम गलत है। सोर्स ने कहा कि अनीत पट्टा को लेकर जो भी खबरें उड़ रही हैं, उनमें रती भर भी सच्चाई नहीं है। ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। मधुबाला भारतीय सिनेमा का एक बहुत बड़ा नाम हैं, इसलिए इन अफवाहों ने फिल्म प्रेमियों के बीच काफी हलचल मचा दी थी। पर सोर्स ने फिर से जोर देकर कहा कि अनीत पट्टा के प्रोजेक्ट (मधुबाला की बायोपिक) से जुड़ने की बात सिर्फ एक अफवाह है और फिलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो रहा है। इससे पहले खबरें आई थीं कि मधुबाला की बायोपिक में कियारा आडवाणी दिवंगत एक्ट्रेस का किरदार निभाएंगी, पर वो खबरें भी अफवाह साबित हुईं। अनीत पट्टा की बात करें, तो उन्होंने साल 2022 में फिल्म 'सलाम वैकी' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, पर स्टारडम 2025 में रिलीज हुई 'सैयारा' से मिला। अब अनीत पट्टा फिल्म 'शक्ति शालिनी' में नजर आएंगी। फिल्म में 'होमबाउंड' फेम विशाल जेठवा भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह दिसंबर 2026 में रिलीज हो सकती है।

## अनीत

एजेसी मुंबई



## हॉलीवुड मसाला

## पति बेनी को दी जन्मदिन की बधाई



लॉस एंजिल्स। सेलेना गोजेज ने अपने पति बेनी ब्लैको के जन्मदिन पर खस शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ अनदेखी शानदार तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनकी शादी के पल और जिजी जॉनस की झलक दिखाई दी। सेलेना ने अपनी इस पोस्ट में शादी की कई रोमांटिक फोटोज शेयर कीं। इस पोस्ट के साथ सेलेना ने कैप्शन में पति बेनी ब्लैको को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यार! मैं तुम्हें पूरे दिल से प्यार करती हूँ।'



## डॉल्बी थिएटर में होगा 98वां ऑस्कर अवॉर्ड समारोह...

लॉस एंजिल्स। कुछ ही दिनों में ऑस्कर 2026 का आयोजन होने वाला है और अब इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इस साल का कार्यक्रम और ज्यादा खस होने वाला है, क्योंकि इसे कोनन ओ ब्राथम होस्ट करने वाले हैं। इस प्रसिद्ध अवॉर्ड समारोह में प्रियंका चोपड़ा भी शामिल होने वाली हैं। 98वां अकादमी अवॉर्ड समारोह 15 मर्च को हॉलीवुड के लॉस एंजिल्स स्थित मशहूर डॉल्बी थिएटर में आयोजित किया जाएगा। हर साल की तरह इस बार भी दुनियाभर का फिल्म इंडस्ट्री का नजर इस प्रातःपठ अवॉर्ड समारोह पर टिकी हुई है। भारत में टाइम डिफरेंस की वजह से दर्शक इस समारोह को 16 मर्च को सुबह लगभग 4:30 बजे से देख सकते हैं। आप डिजे होटलस्टार ऐप और वेबसाइट पर सुबह 4:30 बजे से इसकी लाइव स्ट्रीमिंग देख सकते हैं।



## है जवानी तो इश्क... की रिलीज डेट बदली

मुंबई। डेविड धवन द्वारा निर्देशित फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े सहित कई कलाकार नजर आएंगे। इस रोमांटिक-कॉमेडी ड्रामा फिल्म की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्ट के हिसाब से 'है जवानी तो इश्क होना है' अब 5 जून की जगह 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निर्माताओं ने एक आधिकारिक बयान में लिखा, 'हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' मूल रूप से 5 जून को रिलीज होने वाली थी, जिसकी घोषणा हमने कई महीने पहले की थी। इस महीने की शुरुआत में, यश आभिनौत फिल्म 'टॉक्सिक' के निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज तारीख की घोषणा की। 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर प्रॉन-अप्स' पहले 19 मार्च को रिलीज होने वाली थी।



## लाहौर 1947 का नहीं बदला टाइटल...

मुंबई। राजकुमार संतोषी की फिल्म 'लाहौर 1947' के टाइटल को लेकर फिर से नया अपडेट सामने आया है। पहले खबर थी कि इसका नाम बदलकर 'बंदवारा 1947' कर दिया गया है लेकिन, ऐसा नहीं है और इसकी पुष्टि आमिर खान ने की है। सनी देओल के फैंस 'बॉर्डर 2' के बाद उनकी अगली और चर्चित फिल्म 'लाहौर 1947' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, जिसे राजकुमार संतोषी ने डायरेक्ट किया है और आमिर खान प्रोडक्शन में बनी है। क्या मनी के टाइटल को लेकर बीना में अपडेट आया था कि उसे बदल दिया गया और उसका नया नाम 'बंदवारा 1947' कर दिया गया है। लेकिन, प्रोड्यूसर ने इस दावे को सिरे से खारिज किया है। आमिर खान से जब फिल्म 'लाहौर 1947' के टाइटल में बदलाव के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'ये आपने कहा सुना?'



5 जून को रिलीज होने वाली थी, जिसकी घोषणा हमने कई महीने पहले की थी। इस महीने की शुरुआत में, यश आभिनौत फिल्म 'टॉक्सिक' के निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज तारीख की घोषणा की। 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर प्रॉन-अप्स' पहले 19 मार्च को रिलीज होने वाली थी।



अपडेट आया था कि उसे बदल दिया गया और उसका नया नाम 'बंदवारा 1947' कर दिया गया है। लेकिन, प्रोड्यूसर ने इस दावे को सिरे से खारिज किया है। आमिर खान से जब फिल्म 'लाहौर 1947' के टाइटल में बदलाव के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'ये आपने कहा सुना?'

अपडेट आया था कि उसे बदल दिया गया और उसका नया नाम 'बंदवारा 1947' कर दिया गया है। लेकिन, प्रोड्यूसर ने इस दावे को सिरे से खारिज किया है। आमिर खान से जब फिल्म 'लाहौर 1947' के टाइटल में बदलाव के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'ये आपने कहा सुना?'

## टीवी मसाला



## कुछ इंटरस्टिंग होगा तो जरूर अनुपमा में करूंगा वापसी

नई दिल्ली। अनुपमा में अनुज की भूमिका निभाकर पॉपुलैरिटी हासिल करने वाले गौरव खन्ना किसी पदचढ़ा के मोहताब नहीं हैं। गौरव को इस शो में इतना पसंद किया गया कि फैंस उनकी वापसी का इंतजार कर रहे हैं। स्टार प्लस के शो अनुपमा में अनुज का कैरेक्टर बहुत ही मजबूत तरीके से दिखाया गया था। इस शो में दर्शकों ने अनुज के कैरेक्टर को इतना पसंद किया कि गौरव खन्ना हर किसी के फेवरेट बन गए। इस शो का हिस्सा बनने के बाद गौरव खन्ना को बिग बॉस 19 में देखा गया। इस शो के वे विनर बने। उसके बाद से फैंस को लगने लगा कि बिग बॉस के बाद गौरव खन्ना अब अनुपमा में वापसी करेंगे। अब गौरव खन्ना ने कुछ इस बात को कंफर्म कर दिया है कि वो इस शो का हिस्सा खोलेंगे या नहीं। एक इंटरव्यू में जब गौरव खन्ना से पूछा गया कि क्या वो फिर से अनुपमा में अनुज के तौर पर वापसी करेंगे। ऐसे में गौरव खन्ना ने जो जवाब दिया वो काफी मजबूत था। गौरव खन्ना ने कहा, 'आप गलत इंसान से इस बारे में पूछ रहे हैं। क्योंकि, अनुपमा में वापसी करना मेरे हाथ में नहीं है। ये हमारे प्रोड्यूसर राजन शाही और चैनल स्टार प्लस पर डिपेंड करता है। अगर स्टारों में मेरे लिए कुछ इंटरस्टिंग होगा तो मैं जरूर वापस आऊंगा। लेकिन, अगर ट्रैक एक्साइटिंग नहीं है तो मैं वापस नहीं आऊंगा।'

## गुस्सा जायज है, घाव गहरे थे

नई दिल्ली। निक्की तंबोली कुछ दिन पहले ही रियलिटी 'द 50' से बाहर हुईं। हाल ही में उनके बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल भी शो से बाहर हो गए। अब शो में कुछ इंफ्लुएंसर, टीवी आर्टिस्ट बाकी रह गए हैं। अपनी हस्तियां पोस्ट में खिना किन्हीं का नाम लिए निक्की तंबोली ने 'द 50' के कुछ प्रतिस्पर्धियों पर निशाना साधा है। निक्की तंबोली ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की है। इसमें वह लिखती हैं, 'मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स करवाने से ज्यादा मेहनत अगर अपनी लाइफ पर करते तो शायद कॉलेबोरेशंस से जिंदगी नहीं चलती। मेरी पोस्ट पर फेक कमेंट्स खरीदने से अच्छा है, अपनी रियलिटी खरीद ले। शायद ज्यादा काम आ जाए। वह आगे लिखती हैं, 'गुस्सा जायज है। घाव गहरे थे। निक्की तंबोली ने अपनी पोस्ट में किन्हीं का नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स का मनन है कि वह टीवी एक्टर प्रियंका नरन्दा और टीवी प्रसिद्धि शिव ठाकरे पर निशाना साध रही हैं। यह खेती इस वक्त 'द 50' शो का हिस्सा है। जब निक्की और अरबाज बॉयफ्रेंड शो में थे तो शिव ठाकरे और प्रियंका नरन्दा से कई बार झगड़ा हुआ। 'द 50' शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं।

## पद्मा कभी अमिताभ की बनी थीं हीरोइन खूब चलाया था कैबरे डांस का जादू ...

नई दिल्ली। मोजपुरी फिल्मों से अपना फिल्मी सफर शुरू करने वाली पद्मा खन्ना ने अमिताभ बच्चन के साथ 'सजना है मुझे सजना के लिए' और 'गंगा नैया तोहे पियरी चढ़इबो' के साथ 'दुस्सा के लखो रंग में नजर आई। फिल्मी और टीवी की दुनिया में कुछ करना करते हैं जो अपने नाम से अधिक अपने किरदार की वजह से जाने जाते हैं। ऐसे ही कलाकारों की लिस्ट में एक नाम पद्मा खन्ना का रहा है जो टीवी के लोकप्रिय धारावाहिक 'रामायण' में रावी कैटेरी की किरदार से घर-घर में पहचानी जाती थीं। 70 और 80 के दशक में खन्ना अपनी सुबसूती, डांस और एक्टिंग से लोगों के दिलों में खस जगह बनाई थीं। शायद बहुत कम लोगों को ये पता हो कि उनके फिल्मी सफर की शुरुआत के पीछे की वजह मशहूर एक्टर देवराज माला थीं, जिन्होंने पद्मा का डांस देखकर उन्हें फिल्मी में किरदार आज़माने की सलाह दी थी। स्टूडेंट से मिली यही छोट सी सलाह आगे चलकर उनके जीवन का बड़ा मोड़ साबित हुई।



## अमिताभ के साथ 'सजना है मुझे सजना के लिए' गाना

पद्मा खन्ना के करियर का एक और अहम पड़ाव फिल्म 'सौभाग्य' रही, जिसमें वह महानायक अमिताभ बच्चन के साथ नजर आईं। इस फिल्म का गाना 'सजना है मुझे सजना के लिए' उस दौर का बेहतरीन लोकप्रिय गाना बना। धीरे-धीरे वह हिंदी और मोजपुरी दोनों फिल्म इंडस्ट्री में एक जानी-मानी एक्ट्रेस बन गईं और अपने डांस के लिए खस तौर पर पहचानी जाने लगीं।

## 'गंगा नैया तोहे पियरी चढ़इबो' से शुरुआत

पद्मा खन्ना ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत मोजपुरी फिल्म 'गंगा नैया तोहे पियरी चढ़इबो' से की। उस समय उनकी उम्र लगभग 14 साल थी। यह फिल्म मोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय फिल्मों में गिनी जाती है। इसके बाद उन्होंने कई मोजपुरी फिल्मों में काम किया और धीरे-धीरे इस इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली। 'बिदेरिया', 'बास परदेरिया', 'धरती मन्दाया', और 'भैया दूज जैसी' फिल्मों में उनके काम को काफी पसंद किया गया।

## ताहिर ने पूरी की अनाम फिल्म की शूटिंग, साझा की तस्वीरें...

मुंबई। ताहिर राज मशीन जल्द ही एक नई फिल्म में नजर आएंगे। अमिताभ ने फिल्म की शूटिंग पूरी करने पर कई तस्वीरें साझा की हैं। अमिताभ ताहिर राज मशीन ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। यह विक्रम फडनिस के निदेशन में बना प्रोजेक्ट है। हालांकि, अभी तक इस फिल्म का नाम सामने नहीं आया है। अमिताभ ने अपनी शूटिंग पूरी करने के बाद सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही एक लंबा नोट भी लिखा है। ताहिर राज मशीन ने शूटिंग पूरी करने के बाद इंस्टाग्राम पर शूटिंग से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में ताहिर अपने किरदार में और कुछ अहम सीन की शूटिंग करते नजर आ रहे हैं। अमिताभ ने अपनी टीम के साथ बिताए मजेदार पलों की भी झलक प्रशंसकों के साथ साझा की। उन्होंने शूटिंग के बीच आराम करते और एक-दूसरे के साथ समय बिताते हुए कलाकारों और कू की तस्वीरें पोस्ट कीं। तस्वीरों में फिल्म की बाकी कास्ट सयामी खेर और विनीत कुमार सिंह भी



नजर आ रहे हैं। तस्वीरें साझा करते हुए ताहिर ने प्रोजेक्ट के पूरा होने पर एक भावुक संदेश भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'शूटिंग पूरी हो गई। यह एक शानदार सफर रहा। विक्रम फडनिस आपका कथवाद जिन्होंने एक दिल को छू लेने वाला किरदार लिखा और निर्देशित किया, जिसे निभाना मेरे लिए बेहद सुखद अनुभव रहा। आपकी इस मेहनत से हमी फिल्म को दुनिया के साथ साझा करने का बेसब्री से इंतजार है। उज्ज्वल, लैस के जादूगर हैं। हर दिन अपनी उत्कृष्टता लाने और कलात्मकता के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए धन्यवाद। हद से

## हम घास की गटरियों पर आराम करते थे : सुप्रिया

## 80 के दशक में न वॉशरूम होते थे, और न ही वैनिटी वैन

नई दिल्ली। 'खिचड़ी' एक्ट्रेस सुप्रिया पाठक ने 80 के दशक के फिल्म सेट की कहानी सुनाई और बताया कि तब वॉशरूम, वैनिटी वैन या आराम करने के लिए उचित जगह जैसी बुनियादी सुविधाओं का भी कैसा अभाव रहा करता था। शाहिद कपूर की सौतेली मां सुप्रिया पाठक ने 'मिर्च मसाला' की शूटिंग के दौरान का एक किस्सा सुनाया। इस फिल्म की शूटिंग के लिए मिर्च फैक्ट्री में बिताए अपने अनुभव को शेयर किया और बताया कि कैसे एक दर्जन महिलाएं वहां घास और मुसे के गटरियों पर आराम करती थीं। हालांकि, 'खिचड़ी' एक्ट्रेस ने कहा कि इस तरह के माहौल में काम करने के पीछे की वजह एक्टर्स का जुनून होता था।

## 80 से 90 के दशक में कैसा होता था फिल्मी का सेट

बातचीत में सुप्रिया ने 80 से 90 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री को लेकर बातें करते हुए बताया कि तब कैसे एक्टर्स वैनिटी वैन के बिना काम करते थे। उन्होंने कहा, 'जो जुनून था हमारे अंदर एक्टिंग का या किरदार बनाने का, उसकी वजह से बाकी सारी चीजों का अहमियत कम लगती थी। पर धीरे-धीरे एहसास हुआ कि नहीं, ये भी जरूरी है। बाथरूम की सुविधा होनी चाहिए' उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'आपको कोई एक बैठने की जगह चाहिए और आपका महिलाओं के लिए, आपको एक बाथरूम की सुविधा होनी चाहिए। मकलब में आज भी कहती हूँ कि किन्हीं जगहों पर हम शूट करने जाते जहां बाथरूम भी मुहैया नहीं करवाया जात या होता ही नहीं था। कई जगहों पर जहां हम शूटिंग करते, बाथरूम जैसी बुनियादी सुविधाएं या तो उपलब्ध नहीं कराई जाती या होती ही नहीं थीं। मैं आज भी कहती हूँ कि किन्हीं जगहों पर हम शूट करने जाते जहां बाथरूम भी मुहैया नहीं करवाया जात या होता ही नहीं था। कई जगहों पर जहां हम शूटिंग करते, बाथरूम जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं होती थीं।



## घास के बड़े-बड़े बंडल पर हम पूरे दिन बैठते थे

सुप्रिया पाठक ने कहा, 'मैंने एक फिल्म की थी मिर्च मसाला, जिसे कला मेहनत जी ने डायरेक्ट किया था। उसमें हम सारी औरतें थीं, करीब 10 महिलाएं थीं। तब हम मिर्चों की फैक्ट्री में शूट कर रहे थे। वो एक छोटा सा गांव था और वहां बेलतशा गर्मी थी। वहां पीछे एक शेड जैसा जगह घास रखे हुए थे। शायद मिर्चों को साफ करने का कोई प्रोसेस वहां होता था। तो बड़े-बड़े बंडल बनाकर रख दिए थे और हम पूरे दिन उसी पर बैठते थे।

## कुछ भी करके बैठ जाते थे

पाठक ने कहा, 'एक एक्टर के लिए जैसे हमारे वहां स्पॉट बॉय होते थे, घास लाने, अगर आप सर्दी में शूट कर रहे हो, कहीं भी शूट कर रहे हो तो बुनियादी सुविधाएं तो चाहिए ही। खाना, पानी, चाय, ये सब बेसिक चीजें जरूरी होती हैं। फिर मुझे लगता है कि धीरे-धीरे ये सारे बदलाव हो गए। हमारी इंडस्ट्री में आने लगे। आज शूटिंग करना काफी कंफर्टेबल होना, चाहे आप कहीं भी हों। पहले के टाइम से काफी अलग है। हमारा वक्त तो हम सचमुच कहीं भी कुछ भी करके बैठ जाते थे।' **बाजार व राम-लीला के लिए मिले थे अवॉर्ड** बताते वही की सुप्रिया पाठक ने अपनी मां दीना पाठक के साथ थिएटर से एक्टिंग की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'कलयुग' (1981) से फिल्मी में कदम रखा। पाठक को 'बाजार' (1982) और 'राम-लीला' (2013) के लिए अवॉर्ड भी मिले। उन्होंने 'मासूम' और 'मिर्च मसाला' जैसी फिल्में, 'खिचड़ी' (हंस के रूप में) और 'सारागाई' वरिंस सारागाई' जैसे टीवी शो में भी जन्मदायक एक्टिंग की। इन सबके अलावा पाठक ने 'स्पर्क', 'वेक अप सिड', 'रेड 2' और 'खिचड़ी 2' में भी काम किया। एक्टिंग के अलावा सुप्रिया अपने पति फंकन कपूर के साथ एक प्रोडक्शन हाउस चलाती हैं।

पशुपालकों को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने खुलेंगे पशु औषधि विक्रय केंद्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। प्रदेश के पशुपालकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में पशु औषधि विक्रय केंद्र स्थापित किए जाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस योजना के तहत प्रत्येक विकासखंड में एक पशु औषधि विक्रय केंद्र खोलने की योजना है। केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ एग्जिटिव हेल्थकेयर एंड डेवेलपमेंट द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार इन केंद्रों का संचालन प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र तथा सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा। इसका उद्देश्य पशुपालकों को कम कीमत पर बेहतर गुणवत्ता की जेनेरिक पशु दवाएं उपलब्ध कराना है। जिले के प्रत्येक विकासखंड में इस योजना के अंतर्गत पशु औषधि विक्रय केंद्र स्थापित किए जाने की प्रक्रिया जा रही है, जिससे स्थानीय पशुपालकों को आसानी से सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस संवन्ध में अधिक जानकारी के लिए पशु विभाग से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

## संस्थागत प्रसव हेतु गर्भवती महिलाओं को उपलब्ध कराएं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं : जयवर्धन

कलेक्टर ने बैठक लेकर की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। कलेक्टर एस जयवर्धन ने बैठक लेकर स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में जिला अस्पताल, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा प्रदाय की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान ओपीडी एवं आईपीडी में उपचार प्राप्त करने वाले मरीजों की संख्या तथा स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई। बैठक में गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन एवं उन्हें समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही जिले में सिकल सेल से पीड़ित मरीजों की स्थिति की

जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने जनजागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि माता-पिता दोनों सिकल सेल से पीड़ित हों तो आने वाली प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संस्थागत प्रसव को बेहतर करने के लिए गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड निर्माण की

प्रगति तथा सोनोग्राफी से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। बैठक में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे फाइलेरिया सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम

उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत क्षय रोग की जांच, उपचार एवं मरीजों की पहचान की प्रगति की जानकारी ली गई और अभियान को और प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मौसमी बीमारियों के लिए सभी चिकित्सालयों में आवश्यक दवाइयों, जांच एवं उपचार की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं आवश्यकता अनुसार कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिलाने के भी निर्देश दिए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार किया जा सके इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर, सीएमएचओ, सिविल सर्जन सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

की प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही हाट बाजार क्लीनिक योजना के तहत हाट-बाजारों में ग्रामीणों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। इसके अलावा राष्ट्रीय क्षय



कलेक्टर ने बैठक लेकर की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

व्यवसायिक उपयोग पर जस किये गए 14 घरेलू गैस सिलेंडर



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर क्षेत्र में होटल, रेस्टोरेंट और दुकानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किए जाने की शिकायत पर खाद्य एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल ने बुधवार को कई प्रतिष्ठानों में छापेमारी कर 14 घरेलू गैस सिलेंडर जप्त किया है। जिनमें 4 नग 5 किलोग्राम का भी शामिल है। जप्त सिलेंडर इंटेन एजेंसी प्रतापपुर को सौंप दिए गए हैं। तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और खाद्य निरीक्षक प्रतापपुर की इस टीम ने पाँच प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की। नया बस स्टैंड स्थित रोशन डेली नीड्स से सबसे ज्यादा 10 सिलेंडर जप्त हुए। इसके अलावा

पुराना बस स्टैंड के शुभम होटल और जायसवाल होटल तथा नया बस स्टैंड के मंगलेश डेली नीड्स और परवेज कुमार के प्रतिष्ठान से एक-एक सिलेंडर जप्त किए गए। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि व्यावसायिक काम के लिए घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करना नियमों के खिलाफ है। इससे आम परिवारों को मिलने वाली गैस की आपूर्ति भी प्रभावित होती है। उन्होंने व्यापारियों व अन्य सभी से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों में केवल कर्मशायल सिलेंडर का ही उपयोग करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह की जांच आगे भी जारी रहेगी और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

श्रमवीरो का सम्मान कर लगन से कार्य करने हेतु किया गया प्रेरित



प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। सूरजपुर कलेक्टर एस. जयवर्धन व जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र पाटले के मार्गदर्शन में जनपद भैयाथान के सभाकक्ष में मजदूरों को सम्मानित करने कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न ग्रामों से आए मजदूरों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने मजदूरों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रीफल देकर

सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि मजदूर समाज और देश के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके परिश्रम से ही गांवों का विकास संभव हो पाता है। इसलिए उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। मजदूरों के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी मेहनत और लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।

## फल व्यवसाय से परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बना रही दुलारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। हमारे समाज में कई ऐसे उदाहरण हैं जिससे हमें पता चलता है कि यदि महिलाएं अवसर और सही मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ें तो वे अपना मेहनत से न केवल अपने परिवार बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। सूरजपुर के ग्राम पंचायत लटोरी की दुलारी दीदी ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। कभी सीमित संसाधनों के कारण आर्थिक परेशानियों का सामना करने वाली दुलारी दीदी आज अपने छोटे से व्यवसाय के

माध्यम से परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रही हैं। दुलारी ने बिहान स्व-सहायता समूह से 60 हजार रुपये का ऋण लेकर फल विक्रय का व्यवसाय प्रारंभ किया। जिससे

आज दुलारी दीदी अपने फल व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 25 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय से वे अपने परिवार के दैनिक खर्च, बच्चों की पढ़ाई

और अन्य आवश्यक जरूरतों को आसानी से पूरा कर पा रही हैं। पहले जहां परिवार को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता था, वहीं अब उनकी स्थिति पहले से कहीं बेहतर हो गई है। दुलारी बताती हैं कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बचत, ऋण और छोटे व्यवसाय के संचालन की जानकारी मिली, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा मिली। समूह की मदद से उन्होंने साहस जुटाया और व्यवसाय शुरू किया। जिससे आज वे गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं।



दुलारी दीदी अपने फल व्यवसाय से प्रतिमाह लगभग 25 से 30 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं।

## लंबित मांगों को लेकर एनएचएम कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का भी अनुरोध, मुख्यमंत्री ने जल्द निराकरण का दिया भरोसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। एनएचएम कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष बृजलाल पटेल ने बताया कि एनएचएम के प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके विधानसभा कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एनएचएम कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र निराकरण का आग्रह किया। संघ के प्रतिनिधियों ने पूर्व में की गई घोषणाओं एवं मोदी की गारंटी के तहत कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान की बात

रखते हुए मांगों को जल्द पूरा करने का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन करते

उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की सभी जायज मांगों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का प्रयास

संसाधन नीति, नियमित भर्ती में एनएचएम कर्मचारियों को अनुभव का अंक सहित 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 33 दिनों तक आंदोलन किया था, जिसे सरकार के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया था। संघ के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित कुमार मिरा, प्रवक्ता पुन दास, प्रदेश सलाहकार दिनेश खर्कवाल, जिलाध्यक्ष दुर्गा डॉ. आलोक शर्मा, जिलाध्यक्ष मोहला मानपुर संतोष चंदेल, जिलाध्यक्ष गरियाबंद अमृत राव भोसले सहित संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।



एनएचएम कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र निराकरण का आग्रह किया।

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**  
**विधिवत कार्य हेतु निविदा सूचना**  
 (1) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-303-25-26 दिनांक: 06/03/2026  
 कार्य: (1) बिलासपुर डिपो में सीआईडीसी सेक्शन कटनी-अनुपपुर-अधिकारपुर में 2x25 कोठी टोपसाए, एसपी, एसएसी और अग्नि सिरकन के पी.एस.आई. एलसी के रिपेयरिंग और अपग्रेडेशन सहित बड़े रिपेयरिंग/रिपेयरिंग का काम (2) बिलासपुर डिपो में कटनी-अनुपपुर-अधिकारपुर सेक्शन के बीच सीआईडीसी सेक्शन में टोपसाए/एसपी/ एसएसी सिचरवाई का सुधार। निविदा मूल्य: ₹. 3,42,59,753.70/-, बयाना राशि: ₹. 3,21,300.00/-, निविदा जमा करने की तिथि व समय: दिनांक 07/04/2026 के 15:00 बजे तक।  
 (2) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-304-25-26 दिनांक: 06/03/2026  
 कार्य: अनुपपुर-कटनी और अनुपपुर-अधिकारपुर सेक्शन के बीच फीडर वायर के रि-टेंशन के संबंध में ओवरड्राई का प्राधान्य/संशोधन। निविदा मूल्य: ₹. 5,22,50,254.18/-, बयाना राशि: ₹. 4,11,500.00/-, निविदा जमा करने की तिथि व समय: दिनांक 07/04/2026 के 15:00 बजे तक।  
 पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.irps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.) दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।  
 द.म.विद्युत अभियंता (क.वि.)  
 सीपीआर/10/748 द.प.मध्य रेलवे, बिलासपुर  
 South East Central Railway @secrail

## असंगठित श्रमिकों एवं व्यापारियों के पंजीयन के लिए आयोजित होगा शिविर

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। निर्माण श्रमिक, असंगठित श्रमिकों एवं व्यापारियों की सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं एनपीएस में श्रमिकों एवं छोटे व्यापारियों पंजीयन कराया जाना है। जिसके लिए मोबाइल कैम्प का आयोजन कर श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण, आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाना है। उक्त योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों के पंजीयन के लिए श्रम विभाग द्वारा जनपदवार विशेष शिविर आयोजित की जाएगी। जिसके अंतर्गत 12 मार्च से 30 मार्च 2026 तक प्रातः 10 बजे से शिविर आयोजित होगा।

जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम पंचायत जराहाडीह में 12 मार्च, झलपी में 16 मार्च, पुटसुरा में 18 मार्च, सोनी 20 मार्च, महाराजगंज में 23 मार्च, जाबर में 25 मार्च, तथा बड़कामहरी 27 मार्च को शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत नेहरुनगर में 17 मार्च, चन्द्रनगर में 19 मार्च, चुमरा में 24 मार्च, भवानीपुर में 27 मार्च, त्रिकुण्डा में 30 मार्च को शिविर आयोजित होगा। उक्त दोनों जनपदों में शिविर के लिए श्रम कल्याण निरीक्षक श्री रोशन गुप्ता, मोबाइल नंबर 9753853822, को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जनपद पंचायत राजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत धंधापुर में 16

मार्च, मुर्का में 18 मार्च, नरसिंहपुर में 20 मार्च, गोपालपुर में 23 मार्च, भिलाईखुर्द में 25 मार्च, जनपद पंचायत शंकरगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत करसी में 17 मार्च, भरतपुर में 19 मार्च, पोडीकला में 24 मार्च, कोरंधा में 27 मार्च तथा मुर्का में 30 मार्च को शिविर आयोजित होगा। जिसके लिए श्रम कल्याण अधिकारी श्री यशवंत राजवाड़े मोबाइल नंबर 9669801379 को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इस संबंध में श्रम पदाधिकारी ने पंजीयन कराने के लिए श्रमिक को आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड, सदस्यों का आधार कार्ड, ई-श्रम कार्ड, आय प्रमाण पत्र तथा मोबाइल अनिवार्य रूप से साथ लाने को कहा है।

## नई सोच और दृढ़ संकल्प के साथ युवा अपने जीवन स्तर को बना सकते हैं बेहतर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन सूरजपुर। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र द्वारा गुरुवार को यहां के पॉलिटेक्निक कॉलेज, में स्टार्टअप एवं उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रक्रिया से छात्रों को अवगत कराया। चार्टर्ड एकाउंटेंट हिमांशु अग्रवाल ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना और प्रधानमंत्री रोजगार

अरुण गुप्ता ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि नई सोच और दृढ़ संकल्प के साथ स्टार्टअप स्थापित कर कोई भी युवा अपने जीवन स्तर को

छत्तीसगढ़ चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि स्वरोजगार अपनाकर न केवल अपना, बल्कि देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी योगदान दें। जिला अग्रणी प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आनंद मिंज ने बैंक ऋण से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों और बैंकिंग प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में रौनक जैन, वेटनरी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के प्रबंधक जयसिंह राज, पॉलिटेक्निक के व्याख्याता विवेक मेहता, अवधेश कुमार, सुश्री कृष्णा गुप्ता सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। संचालन व्याख्याता राहुल दुबे तथा आभार प्रदर्शन प्राचार्य एन. योगेश ने किया।

## पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुई स्टार्टअप कार्यशाला

कार्यशाला का उद्देश्य युवा विद्यार्थियों को स्वरोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना और उन्हें उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करना था। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के प्रबंधक अवधेश कुमार कुशवाहा ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के अंतर्गत उपलब्ध अनुदानों, छूट एवं नए उद्योग स्थापित करने की चरणबद्ध



कार्यशाला का उद्देश्य युवा विद्यार्थियों को स्वरोजगार की संभावनाओं से परिचित कराना और उन्हें उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करना था।

बेहतर बना सकता है, आने वाला समय युवाओं का है। जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष कलवंत गोयल ने कहा कि सफलता की पहली शर्त अपनी आवश्यकताओं और संभावनाओं को पहचानना है। उन्होंने पशुधन उत्पाद आधारित उद्योगों की स्थापना को क्षेत्र में रोजगार का एक सशक्त माध्यम बताया।

## स्व-सहायता समूह से जुड़कर कमला ने शुरू की आजीविका गतिविधियां, खेती और सूकर पालन से अर्जित कर रही हैं 2 लाख रुपये

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। जहां छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। चार्टर्ड एकाउंटेंट

कमला धान, मक्का, टमाटर, गेहूं और तरबूज जैसी विभिन्न मौसमी फसलों की खेती कर रही हैं। खेती के साथ-साथ

1 लाख रुपये का आय अर्जित किया था साथ ही अन्य फसल तथा सूकर पालन से 1 लाख रुपये का लाभ हुआ, इस प्रकार उन्होंने 2 लाख रुपये की वार्षिक आय अर्जित की। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में काफी सुदृढ़ हुई है। वे बताती हैं कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा रही हैं और अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा भी राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने तथा उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जिले में महिला सशक्तिकरण को और अधिक मजबूती मिल रही है।

उन्होंने सूकर पालन भी शुरू किया, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। अपना मुख्य व्यवसाय बनाया। वर्तमान में



उन्होंने सूकर पालन भी शुरू किया, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

# कोरिया फ्रंटलाइन

**संपर्क करें**  
समाचार, ईशतहार, विज्ञापन  
हेतु संपर्क करें।  
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन  
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा  
अम्बिकापुर  
मो. 97 13 108088  
87 19000259

## नशे और अफीम के मुद्दे पर कांग्रेस ने किया भाजपा कार्यालय का घेराव

**छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ चिंताजनक नेतृत्व में कांग्रेसियों द्वारा मनेंद्रगढ़ चैनपुर स्थित भाजपा जिला कार्यालय का घेराव किया गया। प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार, अफीम की अवैध खेती के मामलों तथा बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में कांग्रेसियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है और हाल ही में सामने आए अफीम की अवैध खेती के मामलों में भाजपा से जुड़े लोगों के नाम सामने आने के बावजूद सरकार को ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है। एमसीबी जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है



और नशे का कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। अफीम की खेती जैसे गंभीर मामले सामने आने के बाद भी भाजपा सरकार दोषियों पर कार्रवाई करने के बजाय उन्हें बचाने में लगी हुई है। भरतपुरसोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने कहा कि प्रदेश में नशे के बढ़ते कारोबार और अफीम की अवैध खेती के मामले बेहद

गंभीर हैं। भाजपा सरकार इन मामलों में सख्त कार्रवाई करने के बजाय राजनीतिक संरक्षण देने का काम कर रही है। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि प्रदेश का युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंस रहा है और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। कांग्रेस पार्टी युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ऐसी नीतियों का कड़ा विरोध करती

रहेगी। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में अपराध और नशे का कारोबार लगातार बढ़ रहा है, जिससे समाज में असुरक्षा का माहौल बन गया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ ग्रामीण अध्यक्ष रामनरेश पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ कांग्रेस

पार्टी लगातार संघर्ष करती रहेगी। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष चिरमिरी शिवांश जैन ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है और भाजपा सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष खड़गवा युधिष्ठिर कमरो ने कहा कि प्रदेश की जनता अब भाजपा सरकार की नाकामियों को समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व नपा उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी, जिला महामंत्री शरण सिंह, रफीक मेमन, पूनम सिंह, बलबीर सिंह, व्यंकटेश सिंह, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष रुमा चटर्जी, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष ग्रामीण श्रीमती निर्मला चतुर्वेदी, ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती नीलिमा शामल, सरोज चौधरी, राधा दीवान, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष कासिम अंसारी समेत कांग्रेस पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## कांग्रेस द्वारा भाजपा कार्यालय का घेराव राजनीति से प्रेरित कदम-रामचरित

**छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)।**

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी ने कांग्रेस द्वारा भाजपा जिला कार्यालय के घेराव किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित कदम है। जब प्रशासन अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है, तब कांग्रेस का इस तरह विरोध करना कई सवाल खड़े करता है। द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ प्रशासन द्वारा कड़ी कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई कानून के दायरे में रहकर की जा रही है ताकि अवैध कारोबार पर रोक लगाई जा सके और समाज को नशे के दुष्प्रभाव से बचाया जा सके। लेकिन हैरानी की बात है कि कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता इस कार्रवाई का



विरोध करते हुए भाजपा कार्यालय का घेराव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग पहले यह स्पष्ट करें कि वे आखिर चाहते क्या हैं। क्या कांग्रेस अवैध अफीम की खेती करने वालों का समर्थन कर रही है? यदि प्रशासन कानून के तहत कार्रवाई कर रहा है तो उसका विरोध करना कहीं न कहीं अवैध गतिविधियों को संरक्षण देने जैसा प्रतीत होता है। रामचरित द्विवेदी ने आगे कहा कि कांग्रेस के लोग यह कार्यकर्ता इस कार्रवाई का भी बताएं कि उनके नेता

कवासी लकमा और चेतन्य बघेल इतने दिनों तक जेल में क्यों रहे। यदि कांग्रेस खुद को पारदर्शिता और ईमानदारी की पार्टी बताती है तो उसे इन सवालों का जवाब भी जनता के सामने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में यदि कहीं अवैध कारोबार चल रहा था तो उस समय उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। द्विवेदी ने कहा कि भाजपा हमेशा कानून व्यवस्था और पारदर्शिता के पक्ष में रही है। जिले में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कांग्रेस से आग्रह किया कि वह अनावश्यक विरोध और राजनीतिक नोटकी से बचे तथा जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक राजनीति करे।

## डिपो में खड़ी सिटी बसों का होगा पुनः संचालन

**शहरवासियों को जल्द मिलेगी परिवहन सुविधा**

**छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)।** शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को फिर से सुदृढ़ बनाने की दिशा में सिटी बसों के पुनः संचालन की पहल शुरू हो गई है। विभाग ने सिटी बसों के पुनः संचालन के लिए आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

**10 साल का अनुबंध खत्म होने से रुका संचालन**

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अंतर्गत जेएनएनयूआरएम योजना के तहत कोरिया अरबन पब्लिक ट्रांसपोर्ट सोसायटी द्वारा सात सिटी बसों का संचालन किया जा रहा था। इन बसों के संचालन के लिए 27 जून 2015 को पाँपुलर बस सर्विस, अम्बिकापुर के साथ 10 वर्षों के लिए अनुबंध किया गया था। अनुबंध की अवधि 27 जून 2025 को समाप्त हो गई, जिसके बाद सभी सात बसों को नगर निगम के डिपो में सुरक्षित रख दिया गया था।

**मरम्मत और संधारण के लिए 27.32 लाख का प्रस्ताव**

बसों को फिर से संचालन योग्य बनाने के लिए उनके संधारण और मरम्मत का प्राकलन तैयार किया गया है। इसके तहत करीब 27.32 लाख रुपये की लागत से बसों की मरम्मत और आवश्यक तकनीकी सुधार का प्रस्ताव तैयार कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भेजा गया है।

**नई निविदा के बाद फिर दौड़ेंगी बसें**  
अनुबंध समाप्त होने के बाद सिटी बसों के संचालन के लिए नई निविदा आमंत्रित करने की प्रक्रिया शासन स्तर पर प्रारंभ की जा रही है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद बसों का संचालन पुनः शुरू किया जाएगा। सिटी बस सेवा शुरू होने से शहरवासियों को सुलभ, सुरक्षित और किफायती सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिल सकेगी। इससे न केवल लोगों की आवाजाही आसान होगी, बल्कि शहर की नगरीय परिवहन व्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

## जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित, यू.डी. मिंज की टीम में अनुभवी और युवाओं का संगम

**छ.ग.फ्रंटलाइन पथलगांव।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने संगठन की मजबूती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए जशपुर जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा कर दी है। प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जारी की गई इस सूची में श्री यू.डी. मिंज को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनके नेतृत्व में अब जिले में पार्टी की गतिविधियों को नई गति दी जाएगी। संगठन की इस नई संरचना में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन का विशेष ध्यान रखा गया है, जिसमें पुराने अनुभवी चेहरों के साथ-साथ सक्रिय युवा कार्यकर्ताओं को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। पूरी कार्यकारिणी को संगठनात्मक ढांचे के अनुसार व्यवस्थित किया गया है, जिसमें श्री महेन्द्र अग्रवाल को कोषाध्यक्ष की अहम जिम्मेदारी दी गई है। जिले में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए 12 उपाध्यक्षों की नियुक्ति की गई



है, जिनमें ताहिर अली, ईश्वर यादव, प्रमोद गुप्ता, कुलविंदर सिंह भाटिया और श्रीमती पुष्पा कुजूर जैसे कद्दावर नाम शामिल हैं। संगठन के कामकाज में समन्वय बनाने के लिए 17 महामंत्रियों को तैनात किया गया है, जिनमें हंसराज अग्रवाल, विजय भास्कर शर्मा, मार्शल एक्का, दिलीप पाण्डेय और श्रीमती चंद्रप्रभा भगत जैसे सक्रिय नेताओं को जगह मिली है। कार्यकारिणी को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने के लिए सचिवों की एक बड़ी टीम तैयार की गई है। कुल 20 सचिवों की नियुक्ति हुई है, जिनमें पूनम चन्द पेंकरा, घनश्याम सिदार, लोचन यादव

और रवि यादव जैसे नाम संगठन की रणनीति को बूध स्तर तक ले जाने का काम करेंगे। इसके अतिरिक्त, 10 सदस्यों को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शामिल किया गया है, जो पार्टी के महत्वपूर्ण निर्णयों और अभियानों में सहयोग करेंगे। 11 मार्च 2026 की तिथि वाली इस अनुमोदित सूची के जारी होने से कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस संतुलित टीम के जरिए कांग्रेस आगामी चुनावों के लिए जशपुर जिले में अपनी पकड़ और मजबूत करने की तैयारी में है।

## बिहान से आत्मनिर्भरता तक संगीता सिंह बनी महिला सशक्तिकरण की मिसाल

**छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी।** ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार और जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जब महिलाओं को सही अवसर, संसाधन और मार्गदर्शन मिलता है, तो वे न केवल अपने जीवन में बदलाव लाती हैं बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिला एमसीबी के ग्राम दुधारी की निवासी श्रीमती संगीता सिंह की कहानी भी महिला सशक्तिकरण की ऐसी ही प्रेरक मिसाल है, जिन्होंने अपने परिश्रम और आत्मविश्वास से एक नई पहचान बनाई है।

**बीसी सखी के रूप में शुरू हुआ सफर**

संगीता सिंह ने वर्ष 2021 में बीसी सखी के रूप में अपने कार्य की शुरुआत की। उनके माध्यम से गांव के लोगों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिलने लगा। पहले जहां ग्रामीणों को पैसे निकालने या बैंक से जुड़े कार्यों के लिए दूर शहर या ब्लॉक मुख्यालय तक जाना पड़ता था, वहीं अब यह सुविधाएं गांव में ही उपलब्ध होने लगीं। इससे ग्रामीणों का समय और पैसा दोनों बचने लगा और गांव के लोगों को बड़ी सुविधा मिली।

**स्वयं सहायता समूह से मिली आर्थिक मजबूती**  
संगीता सिंह बताती हैं कि उन्होंने बिहान योजना के अंतर्गत अपने स्वयं सहायता समूह से 68 हजार रुपये का ऋण लिया था। इसी आर्थिक सहयोग से उन्होंने बीसी सखी के रूप में अपना कार्य शुरू किया। शुरुआत में कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन अपनी मेहनत, लगन और सेवा भावना से उन्होंने धीरे-धीरे गांव के लोगों का विश्वास जीत लिया। आज गांव के लोग उन्हें भरोसे के साथ अपनी बैंकिंग सेवाओं के लिए संपर्क करते हैं।

**उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला आधार किट**

संगीता सिंह के समर्पण और उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन को देखते हुए जिला प्रशासन ने उन्हें नई जिम्मेदारी देने का निर्णय लिया। आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में आधार सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य से जिले में



पांच नए आधार केंद्र खोले जा रहे हैं। इसी पहल के तहत संगीता सिंह को लैपटॉप सहित आधार किट प्रदान की गई। जिला प्रशासन की ओर से ईडीएम श्री नारायण केवर्त ने उन्हें यह आधार किट सौंपा।

**अब गांव में ही मिलेंगी आधार सेवाएं**

आधार किट मिलने के बाद संगीता सिंह अब अपने गांव के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के लोगों को आधार से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगी। इनमें नया आधार पंजीयन, आधार अपडेट तथा अन्य आवश्यक कार्य शामिल हैं। इससे ग्रामीणों को छोटी-छोटी सेवाओं के लिए शहर या ब्लॉक मुख्यालय तक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उन्हें अपने गांव के पास ही सुविधाएं मिल सकेंगी।

**अन्य महिलाओं के लिए बनी प्रेरणा**

संगीता सिंह की सफलता की कहानी पूरे क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। उनकी मेहनत और आत्मनिर्भरता यह दर्शाती है कि यदि महिलाओं को अवसर और सहयोग मिले तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। उनकी उपलब्धि यह भी साबित करती है कि महिलाएं केवल अपने परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

**महिला सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत कदम**

जिला प्रशासन की यह पहल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच को भी मजबूत कर रही है। संगीता सिंह जैसी महिलाएं आज ग्रामीण भारत में बदलाव की नई कहानी लिख रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि आत्मविश्वास, परिश्रम और सही अवसर मिल जाए तो कोई भी महिला अपने सपनों को साकार कर सकती है।

## होटलों में घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर खाद्य विभाग की सख्त कार्रवाई, दो प्रतिष्ठानों से सिलेंडर जब्त

**छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी।** जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को लेकर खाद्य विभाग ने सख्ती दिखाते हुए संयुक्त जांच अभियान चलाया। गुरुवार को खाद्य विभाग की टीम ने मनेंद्रगढ़ और चैनपुर क्षेत्र के होटलों का निरीक्षण किया, जिसमें दो प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग पाए जाने पर उसे मौके पर ही जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। खाद्य विभाग के संयुक्त जांच दल में खाद्य अधिकारी मनेंद्रगढ़, सहायक खाद्य अधिकारी मनेंद्रगढ़ तथा खाद्य निरीक्षक मनेंद्रगढ़ शामिल थे। टीम द्वारा जिले के कुल तीन होटलों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान चंदन होटल, चैनपुर में एक नग घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) का उपयोग खाना बनाने के लिए किया जाना पाया गया। इसी प्रकार हाईवे होटल, चैनपुर में भी एक नग घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग व्यावसायिक कार्य में किया जाना पाया गया। जांच दल ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू इंधन के रूप में किया जाना नियमानुसार निर्धारित है। इसका व्यावसायिक उपयोग करना द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण विनियम) आदेश 2000 की कंडिका 31 (ग) का उल्लंघन है, जो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। नियमों के



उल्लंघन के कारण दोनों होटलों से एक-एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर शैलपुत्री इंडेन गैस एजेंसी को सुपुर्द किया गया। यह कार्रवाई चंदन होटल के संचालक श्री बाबूलाल शाह तथा हाईवे होटल के संचालक श्री अशोक दास की उपस्थिति में विधिवत पंचनामा एवं जसीनामा तैयार कर की गई। वहीं हजारी होटल, मुख्य बाजार मनेंद्रगढ़ के निरीक्षण के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग नहीं पाया गया। इस प्रतियोग में 18 नग व्यावसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध पाए गए, जो नियमानुसार उपयोग में लाए जा रहे थे। खाद्य विभाग ने होटल संचालकों एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को चेतावनी देते हुए कहा है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग केवल घरेलू प्रयोजन के लिए ही किया जाए। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के निरीक्षण अभियान लगातार जारी

रहेगी।

## सीईओ अंकिता सोम सख्त एक सप्ताह में निर्माण शुरू करने के आदेश 2024-25 में स्वीकृत पीएम आवासों को 31 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश

**छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी।** जिले में आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के उद्देश्य से जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्रीमती अंकिता सोम ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में कम प्रगति वाले ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सचिवों के साथ योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-26 में स्वीकृत अप्रारंभ और अपूर्ण आवासों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही पीएम जनमन योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 90 दिवस रोजगार से जुड़े कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सीईओ श्रीमती अंकिता सोम ने निर्देश देते हुए कहा कि जिन हितग्राहियों को आवास की पहली किस्त प्राप्त हो चुकी है लेकिन निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, ऐसे सभी आवासों का कार्य अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि पात्र हितग्राहियों को समय पर पक्का आवास उपलब्ध हो, इसलिए सभी अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी। बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला समन्वयक, विकासखंड समन्वयक सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

## नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आम-उप निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली जारी

**छ.ग.फ्रंटलाइन अम्बिकापुर।** छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिकाओं एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के आगामी आम एवं उप निर्वाचन 2026 के लिए निर्वाचक नामावली तैयार एवं पुनरीक्षित किए जाने हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार स्थानीय निकायों की निर्वाचक नामावली दिनांक 01 अप्रैल 2026 की स्थिति के आधार पर तैयार की जाएगी। जिन मतदाताओं के नाम संबंधित स्थानीय निकाय के क्षेत्र, वार्ड अथवा पंचायत से संबंधित भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची में दर्ज होंगे, वही मतदाता स्थानीय निकायों की निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज करने के पात्र होंगे।